■ चैत्र कृष्ण - 5 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 230 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » बुधवार » 19-03-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

4 वैश्विक ताकत बनकर उभर रहा भारत : हरिभाऊ बागड़े

6 आधुनिक परिवेश में समाजकार्य दिखावा बनकर ना रह जाए

7 श्रीदेवी का किरदार निभाना चाहती हैं तमन्ना भाटिया

फर्स्ट टेक

ईडी ने बेंगलूरु में सोरोस की फंडिंग एजेंसी और निवेश शाखा पर छापेमारी की

नई दिल्ली/बेंगलूरु/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय ने अमेरिकी अरबपति जॉर्ज सोरोस द्वारा स्थापित 'निजी वित्तपोषण एजेंसी'' ओएसएफ और इसकी निवेश शाखा ईडीएफ के खिलाफ कथित विदेशी मुद्रा विनिमय कानून के उल्लंघन मामले में मंगलवार को बेंगलूरु में छापेमारी की कार्रवाई की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि ओपन सोसाइटी फाउंडेशन (ओएसएफ) और इकनॉमिक डेवलपमेंट फंड (ईडीएफ) के कुछ लाभार्थियों के आठ परिसरों की विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत तलाशी ली गई। इनमें से कुछ अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार निकायों से जुड़े लोग और एस्पाडा इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी शामिल है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सूत्रों ने बताया कि एस्पाडा इन्वेस्टमेंट्स भारत में सोरोस ईडीएफ (एसईडीएफ) का निवेश सलाहकार या कोष प्रबंधक है।

हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में हिमस्खलन की चेतावनी जारी

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले कुछ इलाकों में अगले 24 घंटों के लिए हिमस्खलन की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मौसम विभाग ने प्रदेश में शुक्रवार तक बारिश जारी रहने का अनुमान जताया है। चंडीगढ़ स्थित रक्षा भू-सूचना विज्ञान अनुसंधान प्रतिष्ठान (डीजीआरई) ने चंबा (2,850 मीटर से अधिक) और लाहौल एवं स्पीति (2,900 मीटर से अधिक) के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हिमस्खलन की संभावना के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' (असुरक्षित स्थिति) जारी किया है। इसने कुल्लू और किन्नौर (दोनों 2,900 मीटर से ऊपर) के लिए 'येलो अलर्ट' (आंशिक रूप से असुरक्षित स्थिति) और शिमला जिले के लिए 'ग्रीन अलर्ट' जारी किया गया है।

समुद्री सहयोग बढायेंगी भारत और न्यूजीलैंड की नौसेना

नई दिल्ली/एजेन्सी। भारत और न्यूजीलैंड की नौसेना परस्पर संबंधों को मजबूत बनाने , संयुक्त प्रशिक्षण और समुद्री सहयोग को आगे बढाने की दिशा में काम करेंगी। भारत की यात्रा पर आये न्यूजीलैंड के नौसेना प्रमुख रियर एडमिरल गारिन गोल्डिंग ने मंगलवार को यहां नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। उन्होंने नौसेना के परस्पर संबंधों को बढ़ाने, संयुक्त प्रशिक्षण पहल और समुद्री सहयोग पर चर्चा की।

विश्व भर में बिखराव की स्थिति के दौर में

एकता की ताकत का विराट प्रदर्शन रहा महाकुंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ मोदी ने लोकसभा में महाकुंभ पर वक्तव्य दिया और इसके सफल आयोजन के लिए उसमें शामिल सभी लोगों का आभार ज्ञापन किया।

नई दिल्ली/एजेन्सी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रयागराज में गंगा, यमुना एवं अदृश्य सरस्वती के त्रिवेणी संगम में हुए महाकुंभ को भारत के विराट स्वरूप का दर्शन बताया है और कहा है कि यह पूरे विश्व में बिखराव की स्थितियों के दौर में एकता की ताकत का विराट प्रदर्शन था जिसे हमें निरंतर मजबूत करना है।

मोदी ने लोकसभा में महाकुंभ पर मंगलवार को वक्तव्य दिया और इसके सफल आयोजन के लिए उसमें शामिल सभी लोगों का आभार ज्ञापन किया। उन्होंने कहा, आज मैं इस सदन के माध्यम से कोटि-कोटि देशवासियों को नमन करता हूं, जिनकी वजह से महाकुंभ का सफल आयोजन हुआ। महाकुंभ की सफलता में अनेक लोगों का योगदान है। मैं सरकार के, समाज के, सभी कर्मयोगियों का अभिनंदन करता हूं। मैं देशभर के श्रद्धालुओं को, उत्तर प्रदेश की जनता विशेष तौर पर प्रयागराज की जनता का धन्यवाद करता हूं।

उन्होंने कहा कि सब जानते हैं गंगा जी को धरती पर लाने के लिए एक भगीरथ प्रयास लगा था। वैसा ही महाप्रयास इस महाकुंभ के भव्य आयोजन में भी हमने देखा है। मैंने लालकिले से सबका प्रयास के महत्व पर जोर दिया था। पूरे विश्व ने महाकुंभ के रूप में भारत के विराट स्वरूप के दर्शन किए। सबका प्रयास का यही साक्षात स्वरूप है। यह जनता-जनार्दन का, जनता-जनार्दन के संकल्पों के लिए, जनता-जनार्दन की श्रद्धा से प्रेरित महाकुंभ था।

मोदी ने कहा कि महाकुंभ में हमने हमारी राष्ट्रीय चेतना के जागरण के विराट दर्शन किए हैं। यह जो राष्ट्रीय चेतना है, यह जो राष्ट्र को नए संकल्पों की तरफ ले जाती है, यह नए संकल्पों की सिद्धि के लिए प्रेरित करती है। महाकुंभ ने उन शंकाओं-आशंकाओं को भी उचित जवाब दिया है, जो हमारे सामर्थ्य को लेकर कुछ लोगों के मन में रहती है।

उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष अयोध्या के राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में हम सभी ने यह महसूस किया था कि कैसे देश अगले 1000 वर्षों के लिए तैयार हो रहा है। इसके ठीक एक साल बाद महाकुंभ के इस आयोजन ने हम सभी के इस विचार को और दृढ़ किया है। देश की यह सामूहिक चेतना देश का सामर्थ्य बताती है।

उन्होंने कहा, किसी भी राष्ट्र के जीवन में, मानव जीवन के इतिहास में भी अनेक ऐसे मोड़ आते हैं, जो सदियों के लिए, आने वाली पीढ़ियों के लिए उदाहरण बन जाते हैं। हमारे देश के इतिहास में भी ऐसे पल आए हैं, जिन्होंने देश को नई दिशा दी, देश को झंकझोर कर जागृत कर दिया। जैसे भक्ति आंदोलन के कालखंड में हमने देखा कैसे देश के कोने-कोने में आध्यात्मिक चेतना उभरी। स्वामी विवेकानंद जी ने शिकागो में एक सदी पहले जो भाषण दिया, वह भारत की आध्यात्मिक चेतना का जयघोष था, उसने भारतीयों के आत्मसम्मान को जगा दिया था। हमारी आजादी के आंदोलन में भी अनेक ऐसे पड़ाव आए हैं। 1857 का स्वतंत्रता संग्राम हो, वीर भगत सिंह की शहादत का समय हो, नेताजी सुभाष बाबू का दिल्ली चलो का जयघोष हो, गांधी जी का दांडी मार्च हो, ऐसे ही पड़ावों से प्रेरणा पाकर भारत ने आजादी हासिल की। मैं प्रयागराज महाकुंभ को भी ऐसे ही एक अहम पड़ाव के रूप में देखता हूं, जिसमें जागृत होते हुए देश का प्रतिबिंब नजर आता है।

महाकुंभ ने दुनिया को 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का आत्मीय संदेश दियाः योगी आदित्यनाथ

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आयोजित प्रयागराज महाकुंभ की भव्य सफलता पर उनका आभार जताया और कहा कि महाकुंभ ने दुनिया को 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का आत्मीय संदेश दिया है। योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को 'एक्स' पर पोस्ट किया,''आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के यशस्वी मार्गदर्शन में एकता के महायज्ञ 'महाकुंभ-2025, प्रयागराज' के स्वच्छ, सुरक्षित, व्यवस्थित और ऐतिहासिक आयोजन ने 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत-सर्वसमावेशी भारत' के साथ ही 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का आत्मीय संदेश पूरी दुनिया को दिया है।'' योगी ने कहा,'' 'आस्था' आजीविका का माध्यम हो सकती है। 'संस्कृति' राष्ट्र की समृद्धि का कारक बन सकती है। महाकुंभ-2025, प्रयागराज ने यह उदाहरण भी प्रस्तुत किया है। महाकुंभ-2025, प्रयागराज के आयोजन से जुड़े सभी लोगों को मेरा अभिनंदन और आदरणीय प्रधानमंत्री जी का हार्दिक आभार है।''

मुलाकात

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को यहां उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली।

यूक्रेन में सीमित युद्ध विराम पर सहमत हुए ट्रंप और पुतिन

वाशिंगटन/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने की दिशा में पहले कदम के रूप में ऊर्जा, बुनियादी ढांचे पर सीमित युद्ध विराम पर सहमत हुए। अमेरिकी राष्ट्रपति के कार्यालय सह आवास 'व्हाइट हाउस' ने मंगलवार को यह जानकारी दी। इससे पहले ट्रंप और पुतिन के बीच फोन पर एक घंटे से ज्यादा समय तक बातचीत हुई।

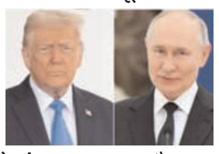

वहीं रूस के राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन के मुताबिक, पुतिन ने बातचीत के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप से कहा कि युद्ध समाप्त करने के लिए अमेरिका और उसके सहयोगियों को यूक्रेन को सैन्य व खुफिया सहायता देना बंद करना होगा।

यूक्रेन में जारी युद्ध को रोकने की दिशा में ट्रंप की इस पहल को बेहद अहम माना जा रहा है। इस बातचीत के जरिये ट्रंप प्रशासन, रूस के राष्ट्रपति को यूक्रेन के खिलाफ युद्ध को समाप्त करने के संभावित उपाय के रूप में 30 दिवसीय संघर्षविराम प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने के लिए राजी करना चाहता है।

पाकिस्तान अपने अवैध कब्जे वाले कश्मीर के क्षेत्र को खाली करे : भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। भारत ने जम्मू-कश्मीर को लेकर पाकिस्तान की बयानबाजी की मंगलवार को कड़ी आलोचना की और कहा कि पाकिस्तान को अपने अवैध और जबरन कब्जे वाले भारतीय क्षेत्र को तुरंत खाली करना चाहिए।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पाकिस्तान द्वारा की गई टिप्पणियों पर मीडिया के सवालों के जवाब में कहा,हमारे संज्ञान में आया है कि पाकिस्तान ने एक बार फिर भारतीय केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के बारे में कुछ टिप्पणियां की हैं। दुनिया जानती है कि असली मुद्दा पाकिस्तान द्वारा सक्रिय रूप से और सीमा पार आतंकवाद का प्रायोजन है। जायसवाल ने कहा कि वास्तव में, यह क्षेत्र में शांति और सुरक्षा के लिए सबसे बड़ी बाधा है। झूठ फैलाने के बजाय पाकिस्तान को अपने अवैध और जबरन कब्जे के तहत भारतीय क्षेत्र को खाली करना चाहिए।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता की यह टिप्पणी पाकिस्तान के विदेश कार्यालय द्वारा लेक्स फ्रीडमैन के साथ पॉडकास्ट साक्षात्कार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टिप्पणी पर टिप्पणी के बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि,पाकिस्तान के साथ शांति को बढ़ावा देने का हर प्रयास का जवाब शत्रुता और विश्वासघात के साथ मिला। उन्होंने उम्मीद जताई थी कि द्विपक्षीय संबंधों में सुधार के लिए पाकिस्तान के नेतृत्व को सद्बुद्धि आएगी।

पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने मोदी की टिप्पणियों को खारिज कर दिया और कहा,भारतीय प्रधानमंत्री की टिप्पणी भ्रामक और एकतरफा है। वह आसानी से जम्मू-कश्मीर विवाद को छोड़ देते हैं, जो संयुक्त राष्ट्र, पाकिस्तान और कश्मीरी लोगों को भारत के गंभीर आश्वासन के बावजूद पिछले सात दशकों से अनसुलझा है।

द्रमुक के मंत्रियों को उत्तर भारत के लोगों को 'नीचा दिखाने' में बड़ा मजा आता है : अन्नामलाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने मंगलवार को आरोप लगाया कि द्रमुक नीत राज्य सरकार के मंत्रियों को उत्तर भारत के लोगों को ''नीचा दिखाने'' में बहुत मजा आता है।

भाजपा नेता ने 'एक्स' पर तमिलनाडु के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्री टी.एम. अनबरसन का एक कथित वीडियो क्लिप पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने उत्तरी राज्यों के प्रवासी श्रमिकों का परोक्ष रूप से संदर्भ देते हुए हिंदी भाषा और इसे सीखने वालों की स्थिति पर टिप्पणी की।

वीडियो में मंत्री कथित तौर पर पूछ रहे हैं, ''हिंदी पढ़ने वाले कहां हैं? वे मेरे घर में मवेशी पाल रहे हैं; यह सच है और मैं मजाक नहीं कर रहा हूं।''

अनबरसन ने तमिलनाडु में उत्तरी राज्यों के लोगों द्वारा किए जाने वाले कामों की सूची दी। इसमें पानी पूरी बेचने का भी जिक्र किया गया। अनबरसन ने कहा कि वे सभी निर्माण कार्य और बढ़ईगीरी में लगे हुए हैं। मंत्री ने कथित तौर पर कहा, ''अगर हम हिंदी पढ़ते हैं तो हमें भी उत्तर भारत जाकर पानी पूरी खानी पड़ेगी।''

यह वीडियो क्लिप उस समय की प्रतीत होती है जब अनबरसन चेन्नई के एक उपनगर में पार्टी के एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। हालांकि इसकी सत्यता की फिलहाल पुष्टि नहीं की जा सकी है तथा कार्यक्रम की तारीख भी ज्ञात नहीं है।

सोशल मीडिया पर पोस्ट में अन्नामलाई ने आरोप लगाया, ''हमारे तमिल मूल्यों और संस्कृति को भूलकर द्रमुक (द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम) के मंत्रियों को उत्तर भारत के हमारे भाइयों और बहनों को नीचा दिखाने में बहुत मजा आता है।''

अन्नामलाई ने कहा, ''शराब की अनियंत्रित बिक्री और नशीले पदार्थों की आसान पहुंच से हमारे राज्य की युवा आबादी को नशे में धुत करने के बाद, द्रमुक को उन लोगों का अपमान करने के लिए शर्म आनी चाहिए जिन्होंने हमारे राज्य के श्रम घाटे को पूरा किया है।''

नागपुर में हिंसा पूर्व नियोजित थी : देवेन्द्र फडणवीस

■ 50 लोग गिरफ्तार, कर्फ्यू लगाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। औरंगजेब की कब्र के खिलाफ प्रदर्शन के बाद हिंसा के संबंध में 50 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया है और नागपुर के कुछ हिस्सों में कर्फ्यू लगा दिया गया है। वहीं, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने दावा किया कि हिंसा पूर्व नियोजित थी। फडणवीस ने कहा कि फिल्म 'छावा' से लोगों की भावनाएं उमड़ी हैं, जिसमें संभाजी महाराज के खिलाफ औरंगजेब द्वारा किए गए क्रूर अत्याचारों को दर्शाया गया है।

नागपुर के पुलिस आयुक्त रविन्द्र कुमार सिंघल ने बताया कि हिंसा के सिलसिले में पांच प्राथमिकी दर्ज की गई है।

अधिकारियों ने बताया कि सोमवार की रात साढ़े सात बजे के करीब मध्य नागपुर में हिंसा भड़क गई और पुलिस पर पथराव किया गया। उन्होंने बताया कि यह हिंसा इस अफवाह के बाद फैली कि औरंगजेब की कब्र हटाने के लिए एक दक्षिणपंथी संगठन द्वारा किए जा रहे प्रदर्शन के दौरान एक समुदाय के धार्मिक ग्रंथ को जला दिया गया।

पुलिस के अनुसार, पुराने भंडारा रोड के पास हंसपुरी इलाके में रात साढ़े 10 से साढ़े 11 बजे के बीच एक और झड़प हुई। अनियंत्रित भीड़ ने कई वाहनों को जला दिया और इलाके में घरों तथा एक क्लिनिक में तोड़फोड़ की।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष और नागपुर के प्रभारी मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने मंगलवार को नागपुर के एक अस्पताल में घायल पुलिसकर्मियों से मिलने के बाद बताया कि हिंसा में 34 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। उन्होंने कहा, ''माहौल को खराब करने के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल किया गया और गृह विभाग की ओर से कोई चूक नहीं हुई, क्योंकि पुलिस हिंदू और मुस्लिम समुदायों के बीच (हिंसा के दौरान) ढाल बनकर खड़ी रही, जिसमें कई पुलिसकर्मी भी घायल हुए।''

बावनकुले ने कहा कि फिलहाल स्थिति थोड़ी तनावपूर्ण है, लेकिन पर्याप्त पुलिस बल तैनात होने के कारण शहर में शांति है।

पुलिस ने बताया कि कोतवाली, गणेशपेठ, तहसील, लकड़गंज, पाचपावली, शांति नगर, सक्करदरा, नंदनवन, इमामवाडा, यशोधरा नगर और कपिल नगर पुलिस थाना क्षेत्र में आने वाले इलाकों में कर्फ्यू लगाया गया है।

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख मायावती ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''महाराष्ट्र में किसी की भी कब्र व मजार आदि को क्षति पहुंचाना व तोड़ना ठीक नहीं है, क्योंकि इससे वहां आपसी भाईचारा, शांति और सौहार्द बिगड़ रहा है।

नौकरी के बदले जमीन घोटालाः

राबड़ी देवी, तेज प्रताप ईडी के समक्ष पेश हुए, लालू को भी किया तलब

पटना/भाषा। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और उनके बड़े बेटे तेज प्रताप यादव कथित ''नौकरी के बदले जमीन'' घोटाले से संबंधित धनशोधन मामले में पूछताछ के लिए मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश हुए। ईडी ने मामले में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद को भी तलब किया है। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। राबड़ी (66) सुबह करीब साढ़े 10 बजे पटना के बैंक रोड स्थित ईडी के कार्यालय पहुंचीं। इस दौरान उनकी बड़ी बेटी एवं पाटलिपुत्र से सांसद मीसा भारती भी मौजूद थीं जिनका नाम भी इस मामले में आरोपी के तौर पर दर्ज है। एजेंसी के कार्यालय की ओर जाने वाली सड़क पर राजद के सैकड़ों कार्यकर्ता इकट्ठा हो गए और नारेबाजी की। पूर्व मंत्री एवं मौजूदा विधायक तेज प्रताप यादव (36) अपराह्न से पहले के विधानसभा सत्र में शामिल होने के बाद ईडी कार्यालय पहुंचे।

संविधान के प्रावधानों के तहत

आधार से जोड़ा जाएगा मतदाता पहचान पत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। डुप्लीकेट मतदाता पहचान पत्र के मुद्दे पर विपक्ष के कड़े विरोध के बीच चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि वह पहचान पत्र को आधार से जोड़ने के मामले में संविधान के अनुच्छेद 326, जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और उच्चतम न्यायालय के निर्णयों के अनुसार कार्रवाई करेगा।

आयोग ने मंगलवार को इस मुद्दे पर हुई एक महत्वपूर्ण बैठक के बाद यह बात कही। आयोग ने कहा है कि इस बारे में मतदाता पहचान संख्या प्राधिकरण और आयोग के विशेषज्ञों के बीच तकनीकी परामर्श जल्द ही शुरू होगा।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी के साथ यहां निर्वाचन सदन में केंद्रीय गृह सचिव, सचिव विधायी विभाग, इलेक्ट्रॉनिकी मंत्रालय के सचिव , पहचान पत्र प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और चुनाव आयोग के तकनीकी विशेषज्ञों की बैठक हुई।

बैठक में कहा गया कि संविधान के अनुच्छेद 326 के अनुसार मतदान का अधिकार केवल भारत के नागरिक को दिया जा सकता है । साथ ही यह भी बताया गया कि आधार कार्ड व्यक्ति की पहचान स्थापित करता है।

इसलिए यह निर्णय लिया गया कि पहचान पत्र को आधार से जोड़ने का काम संविधान के अनुच्छेद 326, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 23(4), 23(5) और 23(6) के प्रावधानों के अनुसार तथा डब्ल्यूपी (सिविल) संख्या 177/2023 में उच्चतम न्यायालय के निर्णय के अनुरूप ही किया जाएगा। इसके लिए पहचान प्राधिकरण और चुनाव आयोग के तकनीकी विशेषज्ञों के बीच तकनीकी परामर्श जल्द ही शुरू होगा।

अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर अंततः पृथ्वी की ओर रवाना हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

केप कैनवेरल/एपी। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र पर पिछले नौ महीने से फंसी नासा की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर अंततः मंगलवार को 'स्पेसएक्स' के यान से पृथ्वी के लिए रवाना हो गए। दोनों अंतरिक्ष यात्री नौ महीने पहले बोइंग की एक परीक्षण उड़ान के जरिये अंतरिक्ष केंद्र में पहुंचे थे। बुच विल्मोर और भारतीय मूल की सुनीता विलियम्स ने दो अन्य अंतरिक्ष यात्रियों के साथ स्पेसएक्स कैप्सूल पर सवार होकर अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन को अलविदा कहा।

कैप्सूल अमेरिका के पूर्वी तटीय समयानुसार, सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात एक बजे (भारतीय समुयानुसार पूर्वाह्न 10:30बजे) के कुछ समय बाद अंतरराष्ट्रीय केंद्र से अलग हुआ और इसके मौसम अनुकूल होने पर पूर्वी तटीय समयानुसार पांच बजकर 57 मिनट (भारतीय समयानुसार मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात तीन बजकर 27 मिनट पर) पर फ्लोरिडा तट पर उतरने का कार्यक्रम है।

19-03-2025 सूर्यास्त 6:19 बजे	20-03-2025 सूर्योदय 6:13 बजे
BSE 75,301.26 (+1,131.30)	NSE 22,834.30 (+325.55)
सोना 9,267 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 113,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

व्याकुल प्रतिभाएं

नक्काल हो रहे हाईटेक,
प्रतिभाएं व्याकुल पढ़ने से।
आरक्षित कोटे रोक रहे,
मेधा को आगे बढ़ने से।
हो रहा पतन विद्वानों का,
नेताओं के मद चढ़ने से।
मच रही लूट आपाधापी,
अपने-अपने हित गढ़ने से।।

औरंगजेब का महिमामंडन करने वाले 'देशद्रोही' हैं : एकनाथ शिंदे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ठाणे/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा है कि जो लोग अब भी औरंगजेब की प्रशंसा कर रहे हैं, वे ''देशद्रोही'' हैं। उन्होंने कहा कि मुगल बादशाह ने राज्य पर कब्जा करने की कोशिश की थी और लोगों पर अनेक अत्याचार किए थे। शिंदे ने कहा कि दूसरी ओर, मराठा राजा छत्रपति शिवाजी महाराज एक ''दैवीय शक्ति'' थे, जो वीरता, बलिदान और हिंदुत्व की भावना के लिए डटे रहे।

शिंदे ने सोमवार रात 'शिव जयंती' के अवसर पर ठाणे जिले के डोंबिवली क्षेत्र के घरदा चौक पर शिवाजी महाराज की अश्वावारोही प्रतिमा का अनावरण करने के अवसर पर यह बात कही। छत्रपति शिवाजी महाराज की यह प्रतिमा उनकी विरासत, उनके साहस और नेतृत्व क्षमता के सम्मान में स्थापित की गई है। शिवसेना प्रमुख की यह टिप्पणी ऐसे समय आई जब राज्य के छत्रपति संभाजीनगर जिले में स्थित औरंगजेब की क्रब को हटाने की कुछ दक्षिणपंथी संगठनों की मांग को लेकर बवाल मचा हुआ है।

इस बीच, सोमवार शाम मध्य नागपुर के चिटनिस पार्क इलाके में तब हिंसा भड़क उठी जब अफवाह फैली कि औरंगजेब की कब्र को हटाने के लिए एक दक्षिणपंथी संगठन द्वारा किए गए आंदोलन के दौरान एक समुदाय का धर्मग्रंथ जलाया गया। पुलिस पर पथराव किया गया जिससे छह आम नागरिक और तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए। शिंदे ने यहां शिवाजी की प्रतिमा के अनावरण समारोह में कहा कि शिवाजी महाराज न केवल हिंदुत्व और भारतीय गौरव के प्रतीक थे, बल्कि वह ''लोकतंत्र के आविष्कारक'' भी थे।

नागपुर हिंसा पूर्व नियोजित थी, औरंगजेब का महिमामंडन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा : विहिप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने मंगलवार को कहा कि वह औरंगजेब का महिमामंडन करने के किसी भी प्रयास को बर्दाश्त नहीं करेगी और दावा किया कि एक दिन पहले नागपुर में हुई हिंसा पूर्व नियोजित थी। विहिप के विदर्भ प्रांत के मंत्री देवेश मिश्रा ने यहां संवाददाताओं से कहा कि प्रशासन को झड़पों के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए और राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) लगाना चाहिए।

मिश्रा ने उन दावों को भी खारिज कर दिया कि नागपुर में विहिप और बजरंग दल के नेतृत्व में हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान धार्मिक पंक्तियां लिखी हुई चादर जलाई गई, जिससे हिंसा भड़की। पुलिस ने बताया कि मुगल शासक औरंगजेब की कब्र के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान हिंसा भड़क गई, जिसमें कई मकानों और वाहनों में तोड़फोड़ की गई।

मिश्रा ने कहा, ''हम औरंगजेब का महिमामंडन बर्दाश्त नहीं करेंगे।'' उन्होंने आरोप लगाया कि विश्व हिंदू परिषद द्वारा पूरे महाराष्ट्र में शांतिपूर्ण ढंग से आंदोलन चलाया गया, सिवाय नागपुर के ''जहां औरंगजेब के कुछ प्रशंसकों ने हिंसा भड़काने के लिए अफवाहें फैलाईं।'' विश्व हिंदू परिषद नेता ने कहा, ''महाराष्ट्र संभाजी महाराज का है। हमारा मुद्दा औरंगजेब द्वारा उन्हें दी गई यातनाएं हैं। हम महाराष्ट्र में औरंगजेब का कोई प्रतीक नहीं चाहते हैं और विश्व हिंदू परिषद ने उसकी कब्र को हटाने का फैसला किया है। लेकिन नागपुर में कुछ लोग अभी भी औरंगजेब का महिमामंडन करते हैं।''

मिश्रा ने आरोप लगाया कि नागपुर में हुई हिंसा पूर्व नियोजित थी। उन्होंने अपराधियों पर रासुका लगाने और पुलिस द्वारा प्राथमिकियों में नामजद आरोपियों के घरों को ढहाने की मांग की। उन्होंने कहा कि औरंगजेब की कब्र को हटाने के लिए ''आंदोलन'' जारी रहेगा। विहिप के धर्मप्रसार प्रमुख (विदर्भ प्रांत) राजकुमार शर्मा ने दावा किया कि चिटनिस पार्क के सामने स्थित एक मस्जिद से अपील की गई थी, जिसके कारण सोमवार को भीड़ एकत्र हो गई। उन्होंने मस्जिद के ट्रस्टियों और संबंधित मौलवियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

शर्मा ने कहा, ''हमने (नागपुर) पुलिस आयुक्त और (जिले के) प्रभारी मंत्री से अनुरोध किया है कि वे अपराधियों पर रासुका के तहत मामला दर्ज करें।''

मातृ मृत्यु दर 2014-16 से 33 अंक घटकर 2018-20 में 97 हो गई : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने राज्यसभा को बताया कि भारत ने 2020 तक मातृ मृत्यु अनुपात (एमएमआर) को घटाकर, प्रति लाख जीवित जन्म पर 100 करने का राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 का लक्ष्य हासिल कर लिया है और 2030 तक इसे 70 करने के एसडीजी लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में अग्रसर है।

उच्च सदन को एक प्रश्न के उत्तर में नड्डा ने बताया कि भारत के महा पंजीयक द्वारा जारी नमूना पंजीकरण प्रणाली के अनुसार, देश का वर्तमान मातृ मृत्यु अनुपात प्रति लाख जीवित जन्म पर 97 है। उन्होंने कहा कि एमएमआर 2014-16 में 130 था जो 2018-20 में 97 हो गया। इस प्रकार एमएमआर में 33 अंकों की उल्लेखनीय गिरावट आई है। नड्डा ने कहा, ''भारत ने 2020 तक राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 के,प्रति लाख जीवित जन्मों पर 100 एमएमआर का लक्ष्य हासिल कर लिया है और 2030 तक एमएमआर प्रति लाख जीवित जन्मों पर 70 का एसडीजी लक्ष्य हासिल करने की दिशा में अग्रसर है।'' उन्होंने कहा कि भारत में एमएमआर में 83 प्रतिशत की गिरावट आई है, जबकि वैश्विक स्तर पर इसमें 42 प्रतिशत की कमी आई है। इसी तरह, भारत में पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर (यू5एमआर) में 75 प्रतिशत की कमी आई है, जो वैश्विक स्तर पर 58 प्रतिशत की गिरावट से अधिक है।

मेबैक के लिए शीर्ष पांच बाजारों में शामिल हो सकता है भारत : मर्सिडीज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर (राजस्थान)/भाषा। मर्सिडीज-मेबैक के प्रमुख डेनियल लेस्को ने मंगलवार को कहा कि भारत में मेबैक श्रृंखला के वैश्विक स्तर पर शीर्ष पांच बाजारों में शामिल होने की क्षमता है, क्योंकि देश में उच्च श्रेणी के लक्जरी वाहनों की मांग में लगातार वृद्धि होने की संभावना है।

मर्सिडीज-बेंज ने पिछले साल भारत में मेबैक खंड की बिक्री में 140 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की और यह 500 से अधिक इकाइयों तक पहुंच गई। लक्जरी कार विनिर्माता ने मेबैक एसएल 680 मोनोग्राम श्रृंखला को पेश कर देश में अपनी श्रृंखला का विस्तार किया है। इसकी कीमत 4.2 करोड़ रुपए (एक्स-शोरूम) है। इस मॉडल की आपूर्ति अगले साल की शुरुआत में शुरू होने की उम्मीद है।

लेस्को ने यहां पत्रकारों के साथ बातचीत में कहा कि भारत इस ब्रांड के लिए बहुत महत्वपूर्ण बाजार है, क्योंकि यहां लोगों में 'लक्जरी' जीवनयापन की भावना विकसित हो रही है। उन्होंने कहा, '' भारत पहले से ही वैश्विक स्तर पर मेबैक के लिए शीर्ष 10 बाजारों में शामिल है और भविष्य में इसमें और भी वृद्धि की संभावना है। हमारा मानना है कि भारत में निश्चित रूप से वैश्विक स्तर पर मेबैक के लिए शीर्ष पांच बाजारों में शामिल होने की क्षमता है।'' लेस्को ने बताया कि वर्तमान में चीन, अमेरिका और दक्षिण कोरिया जैसे बाजार वैश्विक स्तर पर ब्रांड की बिक्री में अग्रणी हैं।

भारत को ब्रांड के लिए सबसे महत्वपूर्ण बाजारों में से एक बताते हुए उन्होंने कहा कि देश में भविष्य में विकास की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा, '' हमें यह देखकर बेहद खुशी हुई कि भारतीय ग्राहकों में ब्रांड की छवि कितनी अच्छी है। यह बिक्री के आंकड़ों में भी झलकता है।''

मर्सिडीज-बेंज इंडिया, मर्सिडीज-मेबैक मॉडल का विविध खंड पेश करती है, जिसमें एस 680 नाइट सीरीज, जीएलएस 600 नाइट सीरीज, ईक्यूएस 680 नाइट सीरीज, ईक्यूएस एसयूवी और स्थानीय रूप से निर्मित एस 580 लिमोसिन शामिल हैं।

रेलवे में पिछले एक दशक में पांच लाख लोगों को रोजगार दिया गया, आरक्षण का ध्यान रखा गया: वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रेलवे में रोजगार और रेल भर्ती परीक्षाओं को लेकर विपक्ष की चिंताओं को खारिज करते हुए मंगलवार को लोकसभा में कहा कि पिछले एक दशक में रेलवे में पांच लाख रोजगार दिए गए हैं और इसमें आरक्षण के सभी नियमों का पालन किया गया है।

रेल मंत्रालय के नियंत्रणाधीन अनुदान मांगों पर निचले सदन में हुई चर्चा पर जवाब देते हुए वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की सरकार में रेलवे में पांच लाख लोगों को रोजगार दिया गया है और आज भी एक लाख लोगों के लिए रेलवे में भर्ती की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने दावा किया कि देश में रेल भर्ती की परीक्षाएं बिना किसी पेपर लीक एवं अन्य व्यवधान के संपन्न कराई जा रही हैं। रेलवे भर्ती की परीक्षाओं का केंद्र अभ्यर्थी के गृह क्षेत्र से बाहर होने संबंधी मुद्दे पर कुछ सदस्यों की चिंताओं का जवाब देते हुए वैष्णव ने कहा कि गृह क्षेत्र से बाहर परीक्षा केंद्र रखने की नीति देशभर में लागू है ताकि परीक्षा की शुचिता पर प्रश्न नहीं उठे। उन्होंने कहा कि रेलवे में सभी पांच लाख नौकरियों में आरक्षण के सभी नियमों और कानूनों का पालन किया गया है। रेल मंत्री ने कहा कि रेलवे में 60 साल में पहली बार वार्षिक कलैंडर की व्यवस्था की गई है।

गुजरात विस में भाजपा विधायक ने कहा, राहुल गांधी घोड़े और गधे में फर्क नहीं कर सकते

गांधीनगर/भाषा। गुजरात विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक अर्जुन मोधवाडिया ने मंगलवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि राहुल गांधी को पूरी पार्टी विरासत में मिली है लेकिन वह घोड़े और गधे में अंतर नहीं कर सकते। पिछले वर्ष कांग्रेस का हाथ छोड़ कर भाजपा में शामिल होने वाले मोधवाडिया ने विधानसभा के बजट सत्र के दौरान यह टिप्पणी की।

मोधवाडिया इससे पहले कांग्रेस की गुजरात इकाई के अध्यक्ष और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के रूप में कार्य कर चुके हैं। मोधवाडिया, जून 2024 में पोरबंदर से भाजपा विधायक बने थे। उन्होंने राहुल गांधी का नाम लिए बिना कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष घोड़े और गधे में अंतर नहीं कर सकते। भाजपा विधायक ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पॉडकास्टर लेक्स फ्रीडमैन के साथ हालिया साक्षात्कार में न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया के लिए अपना दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। अगर आप जानना चाहते हैं कि ज्ञान क्या है, तो आपको वह साक्षात्कार देखना चाहिए। उन्होंने पूरी दुनिया को रास्ता दिखाया। उन्होंने राहुल गांधी का स्पष्ट संदर्भ देते हुए कहा कि दिल्ली में एक नेता को पूरी पार्टी विरासत में मिली है। मोधवाडिया ने दावा किया, अन्य लोगों को विरासत में दूरदृष्टि और संस्कार मिले जबकि इस नेता (राहुल गांधी) को विरासत में पूरी पार्टी मिली। हाल में गुजरात की यात्रा के उन्होंने दौरान दोहराया था कि उन्हें अब भी यकीन नहीं है कि गुजरात में पार्टी का कौन सा नेता रेस का घोड़ा है और कौन सा घोड़ा बारात में इस्तेमाल किये जाने वाला है। मैंने 2012 में भी यही भाषण सुना था, जब मैं कांग्रेस में था। उन्होंने 13 वर्ष बाद भी यही टिप्पणी की।

सभी 22 नए एम्स में कैंसर के इलाज के लिए सुविधा केंद्रों को मंजूरी दी गई : नड्डा

नई दिल्ली/भाषा। कैंसर रोगियों के इलाज के लिए सभी 22 नए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थानों (एम्स) में सुविधा केंद्रों को मंजूरी दी गई है और समय रहते इस बीमारी का पता लगाने के लिए इसकी जांच पर जोर दिया जा रहा है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे पी नड्डा ने राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान बताया कि देश में एक लाख 75 हजार आयुष्मान आरोग्य मंदिर हैं जहां कैंसर की जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि मुख कैंसर की करीब 29.32 करोड़ जांच हुई जिसमें से एक लाख 63 हजार मामलों में कैंसर का पता चला। उन्होंने कहा कि इसी तरह स्तन कैंसर के लिए 15 करोड़ 60 लाख जांच हुई और 57 हजार मामलों में स्तन कैंसर का पता चला। नड्डा ने बताया कि गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के लिए नौ करोड़ 48 हजार जांच हुई और 97 हजार मामलों में गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर का पता चला। उन्होंने कहा कि वह आंकड़े इसलिए बता रहे हैं ताकि पता चल सके कि लाखों जांच हुई हैं। उन्होंने बताया कि कैंसर का पता चलने के बाद मरीजों का इलाज शुरू कर दिया जाता है। उन्होंने बताया कि सभी 22 नए एम्स में कैंसर के इलाज के लिए सुविधा केंद्रों को मंजूरी दी गई है। उन्होंने कैंसर के इलाज की सुविधा के बारे में बताया कि 372 'जिला कैंसर डे केयर केंद्र' हैं जहां कीमोथैरेपी सहित अन्य इलाज किया जाता है। वित्त मंत्री ने बजट में घोषणा की हर जिले में ऐसे केंद्र खोले जाएंगे।

ओबीसी आरक्षण पर तेलंगाना ने रास्ता दिखाया, यही पूरे देश की जरूरत: राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने तेलंगाना में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण की घोषणा को क्रांतिकारी कदम करार देते हुए मंगलवार को कहा कि उनकी पार्टी के शासन वाले राज्य ने रास्ता दिखाया है और यही पूरे देश की जरूरत है।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने शिक्षा, नौकरी और राजनीतिक प्रतिनिधित्व में ओबीसी समुदाय के लिए 42% आरक्षण सुनिश्चित करने की घोषणा की। राहुल गांधी ने पोस्ट किया, ''कांग्रेस सरकार ने तेलंगाना में ओबीसी आरक्षण बढ़ाने का वादा पूरा कर दिया है। राज्य में वैज्ञानिक तरीके से हुई जातिगत गिनती से मिली ओबीसी समुदाय की वास्तविक संख्या स्वीकार की गई और शिक्षा, रोजगार तथा राजनीति में उनकी समान भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विधानसभा में 42% आरक्षण का विधेयक पारित किया गया है।'' उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय की दिशा में यह वाकई एक क्रांतिकारी कदम है जिसके द्वारा राज्य में आरक्षण पर से 50% की दीवार भी गिरा दी गई है। कांग्रेस नेता के अनुसार, जातिगत सर्वेक्षण के डेटा से हर समुदाय के सामाजिक और आर्थिक हालात का विश्लेषण कर ऐसी नीतियां बनाई जाएंगी जिनसे सबकी बेहतरी सुनिश्चित हो।

सिंगापुर, भारत तलाश रहे हैं 'ग्रीन डिजिटल शिपिंग कॉरिडोर' पर समझौते की संभावना

सिंगापुर/भाषा। सिंगापुर और भारत ग्रीन डिजिटल शिपिंग कॉरिडोर (जीडीएससी) के लिए आशय पत्र (एलओआई) पर हस्ताक्षर करने की संभावना तलाश रहे हैं, जिससे भारतीय समुद्री क्षेत्र को वैश्विक नेटवर्क से जोड़ने की उम्मीद है।

पोत परिवहन मंत्री सर्बानंद सोनोवाल की अगले सप्ताह सिंगापुर यात्रा के दौरान आशय पत्र पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। बंदरगाह, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सोनोवाल के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ सिंगापुर समुद्री सप्ताह (एसएमडब्ल्यू) में भाग लेने की उम्मीद है, जो 24 से 28 मार्च तक यहां आयोजित किया जा रहा है।

सिंगापुर समुद्री एवं बंदरगाह प्राधिकरण (एमपीए) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी तेओ इंग दीह ने कहा, '' हम शुरुआत के तौर पर भारत के साथ आशय पत्र पर सहमति बनाने के बारे में विचार रहे हैं। यह कुछ ऐसा है जिस पर हम अब भी काम कर रहे हैं।'' सिंगापुर समुद्री एवं बंदरगाह प्राधिकरण (एमपीए) सप्ताह भर चलने वाले समुद्री कार्यक्रम की मेजबानी कर रहा है।

लोकतांत्रिक देश को पुलिस राज्य की तरह काम नहीं करना चाहिए : उच्चतम न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने जांच पूरी होने के बावजूद निचली अदालतों द्वारा ''कम गंभीर मामलों'' में जमानत याचिकाएं खारिज किये जाने पर निराशा जतायी है।

न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइंया की पीठ ने कहा कि एक लोकतांत्रिक देश को पुलिस राज्य की तरह काम नहीं करना चाहिए, जहां कानून प्रवर्तन एजेंसियां बिना किसी वास्तविक कारण के लोगों को हिरासत में लेने के लिए मनमानी शक्तियों का इस्तेमाल करती हैं। दो दशक पहले छोटे मामलों में जमानत याचिकाएं उच्च न्यायालयों तक शायद ही कभी पहुंचती थीं, शीर्ष अदालत तक तो बात ही छोड़िए। न्यायमूर्ति ओका ने एक जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा, ''यह चौंकाने वाली बात है कि उच्चतम न्यायालय उन मामलों में जमानत याचिकाओं पर फैसला सुना रहा है जिनका निपटारा निचली अदालत के स्तर पर होना चाहिए। न्यायपालिका पर अनावश्यक रूप से बोझ डाला जा रहा है। ''

यह पहली बार नहीं है जब शीर्ष अदालत ने इस मुद्दे पर टिप्पणी की है। इसने बार-बार निचली अदालतों और उच्च न्यायालयों से जमानत देने में अधिक उदार रुख अपनाने का आग्रह किया है, खासकर छोटे उल्लंघनों से जुड़े मामलों में। सुनवाई के दौरान पीठ ने एक आरोपी को जमानत दे दी जो धोखाधड़ी के एक मामले में दो साल से अधिक समय से हिरासत में था। जांच पूरी हो जाने और आरोपपत्र दायर हो जाने के बावजूद, आरोपी की जमानत याचिका निचली अदालत और गुजरात उच्च न्यायालय दोनों ने खारिज कर दी थी। उच्चतम न्यायालय ने 2022 में जांच एजेंसियों पर उन संज्ञेय अपराधों में गिरफ्तारी करने पर प्रतिबंध लगा दिया था, जिनमें हिरासत की आवश्यकता न होने पर अधिकतम सात साल तक की सजा हो सकती है। इसने निचली अदालतों से यह सुनिश्चित करके व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा करने का भी आग्रह किया था कि जमानत निष्पक्ष और समय पर दी जाए।

बीएसएफ ने 2024 में पंजाब में 294 ड्रोन जब्त किए: सरकार ने लोकसभा में कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

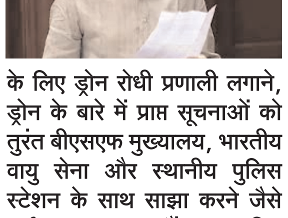

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने लोकसभा में कहा कि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने 2024 में पंजाब में 294 ड्रोन जब्त किए हैं।

राय ने यह भी कहा कि इन ड्रोन से निपटने के लिए पंजाब सीमा पर ड्रोन रोधी प्रणाली लगाई गई है। उन्होंने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा, ''विभिन्न स्रोतों से प्राप्त जानकारी के आधार पर, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने 2024 में पंजाब सीमा पर 294 ड्रोन जब्त किए हैं।'' मंत्री ने कहा कि ड्रोन से तस्करी के खतरे का मुकाबला करने के लिए ड्रोन रोधी प्रणाली लगाने, ड्रोन के बारे में प्राप्त सूचनाओं को तुरंत बीएसएफ मुख्यालय, भारतीय वायु सेना और स्थानीय पुलिस स्टेशन के साथ साझा करने जैसे कई कदम उठाए गए हैं। मानव रहित वायु यानों (यूएवी) और ड्रोन द्वारा अपनाए गए मार्ग की पहचान करने और उनसे निपटने के लिए तैयार रहने के लिए आसपास की सीमा चौकियों और नाकों तथा निगरानी चौकियों को सतर्क किया गया।

उत्तराखंड में अवैध मदरसों पर कार्रवाई जारी, सितारगंज व काशीपुर में 15 मदरसे सील किये

रुद्रपुर/भाषा। उत्तराखंड में अवैध मदरसों के खिलाफ कार्रवाई मंगलवार को भी जारी रही और अधिकारियों ने सितारगंज और काशीपुर में ऐसे 15 मदरसों को सील कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि एसडीएम (खटीमा) रवींद्र बिष्ट और क्षेत्राधिकारी भूपेंद्र सिंह धोनी के नेतृत्व में भारी पुलिस बल की मौजूदगी में अवैध मदरसों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

बिष्ट ने बताया कि काशीपुर में 12 और सितारगंज में तीन मदरसे सील किए गए हैं। उन्होंने बताया कि कार्रवाई अब भी जारी है। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड मदरसा बोर्ड से पंजीकृत न होने वाले मदरसों को सील किया जा रहा है। बिष्ट ने बताया कि मदरसों के पास अन्य आवश्यक दस्तावेज भी नहीं हैं।

इस महीने की शुरुआत में देहरादून जिले में पंद्रह मदरसों को अनिवार्य मंजूरी न होने के कारण सील कर दिया गया था।

बिरला ने दिल्ली विस को 'आदर्श विधानसभा' के रूप में विकसित करने का किया आह्वान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को दिल्ली विधानसभा को एक ''आदर्श'' विधानसभा के रूप में विकसित करने का आह्वान किया और नवनिर्वाचित विधायकों से कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसी आधुनिक प्रौद्योगिकी को सीखने अपील की। दिल्ली विधानसभा में विधायकों के लिए आयोजित दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए बिरला ने कहा कि लोगों को विधायकों और राष्ट्रीय राजधानी की नई सरकार से काफी उम्मीदें हैं।

दिल्ली को 'लघु भारत' का रूप बताते हुए बिरला ने कहा कि यहां सभी राज्यों से विभिन्न भाषाओं, धर्मों और संस्कृतियों के लोग आते हैं, और उनकी अलग-अलग आकांक्षाओं और अपेक्षाओं को पूरा करना निर्वाचित प्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम लोगों की अपने विधायकों और नई सरकार से उच्च अपेक्षाओं को पूरा करने के तरीकों को सीखने में सहायक होगा। विधानमंडलों को सार्थक संवाद का मंच बताते हुए बिरला ने कहा, ''सदन में किसी भी प्रकार का गतिरोध नहीं होना चाहिए तथा असहमति को गरिमापूर्ण ढंग से तथा सार्थक संवाद के माध्यम से व्यक्त किया जाना चाहिए।'' उन्होंने सदस्यों से सार्वजनिक जीवन में आचरण तथा नैतिकता के उच्चतम मानकों को बनाए रखने का आग्रह किया।

बिरला ने कहा, ''लोकतंत्र का आधार संवाद और आम सहमति है, इसलिए संसदीय लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका सकारात्मक और रचनात्मक होनी चाहिए।''

देश में स्वास्थ्य क्षेत्र की स्थिति बदहाल, विभिन्न मानकों पर भारत पड़ोसी देशों से भी पीछे : विपक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में मंगलवार को विभिन्न विपक्षी दलों के सदस्यों ने सरकार पर निशाना साधते हुए दावा किया कि देश में स्वास्थ्य क्षेत्र की स्थिति बदहाल है और विभिन्न मानकों पर भारत अपने पड़ोसी देशों से भी पीछे है। इसके साथ ही सदस्यों ने सुझाव दिया कि सरकार को बजट में स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए आवंटन बढ़ाना चाहिए।

तृणमूल कांग्रेस के सुखेंदु शेखर राय ने स्वास्थ्य मंत्रालय के कामकाज पर उच्च सदन में हुयी चर्चा में भाग लेते हुए आरोप लगाया कि केंद्र सरकार पश्चिम बंगाल के साथ आर्थिक भेदभाव कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता इस आर्थिक भेदभाव के खिलाफ केंद्र को मुंहतोड़ जवाब देगी। उन्होंने कहा कि विभिन्न शर्तों को पूरा करने के बाद भी पश्चिम बंगाल को मनरेगा सहित अन्य केंद्र प्रायोजित योजनाओं में राशि नहीं दी जा रही है। राय ने फर्जी दवाइयों के खिलाफ अभियान चलाए जाने की जरूरत पर जोर देते हुए कहा कि विभिन्न गंभीर रोगों के मरीजों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। उन्होंने कहा कि सरकार को जैविक खेती को बढ़ावा देना चाहिए। उन्होंने कहा कि रसायनों से तैयार होने वाले उर्वरकों और कीटनाशकों का उपयोग खतरनाक है। उन्होंने कहा, ''पानी में जहर, पवन में जहर, खाद्य में जहर... क्योंकि यह अमृत काल नहीं जहर काल है।'' कांग्रेस के अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि मौजूदा सरकार के 11 साल पूरा हो रहे हैं लेकिन इस अवधि में स्वास्थ्य क्षेत्र में सरकार विशेष मानकों के लिहाज से नाकाम साबित हुयी। 2025 तक भारत से टीबी को खत्म करने का लक्ष्य रखा गया था लेकिन आंकड़ों के अनुसार दुनिया के 25% टीबी रोगी भारत में हैं। डेंगू जैसे रोगों पर रोकथाम के मामले में भी सरकार ने कोई वृहद कार्यक्रम नहीं शुरू किया है। उन्होंने कहा कि कुपोषण के मामले में भारत की स्थिति बांग्लादेश से भी खराब है।

श्रीरंगम में कम्बा रामायण पारायणम का उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने 18 मार्च को श्रीरंगम में कम्बा रामायण पारायणम का उद्घाटन किया। केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत दक्षिण क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, तंजावुर, तमिलनाडु की कम्ब रामायण परंपरा के संरक्षण और प्रचार-प्रसार के लिए एक सहायता प्रणाली के साथ आगे आ रहा है।

कम्ब रामायण तमिल साहित्य में सबसे महत्वपूर्ण साहित्यिक कृतियों में से एक है। 12वीं-13वीं शताब्दी में रचित रामायण का यह संस्करण वाल्मीकि रामायण का एक अनूठा और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध रूपांतर है। तमिलनाडु के मयिलादुथुराई जिले के कुथलम ब्लॉक के थेराझुंडुर में स्थित कम्बर मेदु, कम्बर का जन्मस्थान है। हालांकि एक समय तमिल सांस्कृतिक जीवन का अभिन्न अंग रहा, लेकिन स्थानीय मंडलियों (सांस्कृतिक समूहों) के माध्यम से कम्ब रामायण का वाचन करने की मौखिक परंपरा में काफी गिरावट आई है। तमिलनाडु की कई युवा पीढ़ियाँ अब कम्बर के महाकाव्य से अपरिचित हैं, और सांस्कृतिक प्रथा विलुप्त होने के खतरे में है।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने श्री रंगम के सिंगार कोविल ऑडिटोरियम में कार्यक्रम का उद्घाटन किया। समारोह से पहले विभिन्न मंडलियों द्वारा कम्ब रामायण का पाठ किया जाएगा। उद्घाटन समारोह में 50 से अधिक कम्ब रामायण मंडलियों के सदस्यों और वरिष्ठ अधिकारियों के भाग लेने की उम्मीद है। कम्ब रामायण के छंदों के साथ सीता कल्याणम नृत्य नाटक की प्रस्तुति भी दी जाएगी। इसके बाद 20 से 29 मार्च तक विभिन्न स्थानों पर कम्ब रामायण का पाठ किया जाएगा और 30 मार्च से 6 अप्रैल तक राम नवमी के दिन कम्बन मेदु में कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की जाएगी। तमिलनाडु के राज्यपाल, जो एसजेडसीसी के अध्यक्ष हैं, और वित्त मंत्री के इन कार्यक्रमों में भाग लेने की उम्मीद है।

स्टालिन ने जयशंकर को मछुआरों की गिरफ्तारी से अवगत कराया, कार्रवाई का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने रामेश्वरम से मछली पकड़ने गए तीन मछुआरों को श्रीलंकाई नौसेना द्वारा गिरफ्तार करने के मामले से विदेश मंत्री एस जयशंकर को मंगलवार को अवगत कराया। स्टालिन ने जयशंकर से हिरासत में लिए गए सभी 110 मछुआरों को रिहा करने और आगे की गिरफ्तारियों पर लगाम लगाने के लिए कार्रवाई की मांग की। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष के शुरुआती तीन महीनों से भी कम समय में श्रीलंकाई नौसेना द्वारा मछुआरों को पकड़ने की यह 10वीं घटना है।

स्टालिन ने कहा, 17 मार्च को रामेश्वरम से मछली पकड़ने के लिए गए तमिलनाडु के तीन मछुआरों को 18 मार्च को श्रीलंकाई नौसेना ने उनकी नाव के साथ पकड़ लिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मछुआरों को पारंपरिक मछली पकड़ने वाले जलक्षेत्र में गिरफ्तार करने से रोकने के लिए मजबूत कूटनीतिक प्रयासों के उनके बार-बार अनुरोध के बावजूद ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं की संख्या लगातार बढ़ रही है।

उन्होंने कहा, जैसा कि आप जानते हैं, मछुआरे अपनी आजीविका के लिए मछली पकड़ने पर निर्भर रहते हैं और श्रीलंकाई नौसेना द्वारा बार-बार पकड़े जाने के कारण उनके परिवार गरीबी के कगार पर पहुंच गए हैं। स्टालिन ने कहा, इसलिए मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि हमारे मछुआरों की गिरफ्तारी को रोकने के लिए प्रभावी कूटनीतिक प्रयास करें और हिरासत में लिए गए तमिलनाडु के सभी 110 मछुआरों को उनकी मछली पकड़ने वाली नौकाओं के साथ श्रीलंकाई अधिकारियों से यथाशीघ्र रिहा कराएं।

द्रमुक सदस्य ने केंद्र पर दक्षिण के राज्यों के साथ सौतेला व्यवहार का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने मंगलवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर दक्षिणी राज्यों के साथ सौतेला व्यवहार करने और सार्वजनिक स्वास्थ्य मानकों पर अच्छा प्रदर्शन करने के लिए दंडित करने का आरोप लगाया। उच्च सदन में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के कामकाज पर चर्चा की शुरुआत करते हुए द्रमुक के तिरुचि शिवा ने कहा कि परिसीमन का दक्षिणी राज्यों पर बहुत बुरा असर होगा, जिन्होंने जनसंख्या नियंत्रित कर ली है जबकि उत्तरी राज्यों में यह बढ़ गयी है।

उन्होंने केंद्रीय बजट में स्वास्थ्य पर आवंटन कम करने और दवाओं पर शोध के लिए मामूली राशि निर्धारित करने के लिए केंद्र की आलोचना की। उन्होंने कहा, दक्षिणी राज्य हमेशा पहले नंबर पर होते हैं, इसलिए हमें पीड़ित किया जाता है। इसलिए हमें दंडित किया जाता है। किसी भी चीज में हमारा ध्यान नहीं रखा जाता है। जिस तरह से हम अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, उसके लिए हमें नजरअंदाज किया जा रहा है। हमने कभी नहीं सुना कि एक मेधावी छात्र को कहीं भी दंडित किया जाता है, लेकिन केवल हमारे देश में ऐसा हो रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र दक्षिणी राज्यों के साथ सौतेला रवैया अपना रहा है और उन्हें पक्षपातपूर्ण तरीके से देख रहा है। शिवा ने मजबूत सार्वजनिक स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे, निवारक देखभाल और सामुदायिक स्वास्थ्य सेवाओं पर मजबूत ध्यान देने के अलावा माध्यमिक और तृतीयक अस्पतालों द्वारा सर्वोत्तम सेवाएं प्रदान करने का हवाला देते हुए बताया कि दक्षिण के राज्यों ने सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियों में सुधार के लिए कैसे ध्यान केंद्रित किया है। उन्होंने कहा, केंद्र सरकार को उन राज्यों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए जहां चीजें खराब हो रही हैं। केंद्र सरकार उन राज्यों पर ध्यान केंद्रित नहीं कर रही है जो अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं, बल्कि वे हमें दंडित करने की कोशिश कर रहे हैं।

शिवा ने यह भी कहा कि अगर जनसंख्या के आधार पर परिसीमन किया जाता है तो दक्षिणी राज्यों को नुकसान होगा। उन्होंने कहा, दक्षिणी राज्यों ने जनसंख्या को नियंत्रित किया है, जबकि उत्तरी राज्यों में यह बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि सरकार को समान जनसंख्या नियंत्रण पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए था और परिवार नियोजन को लागू किया जाना चाहिए था। उन्होंने याद किया कि 1976 में संविधान में एक संशोधन लाया गया था कि जनसंख्या नियंत्रण को पूरे देश में समान रूप से लागू किया जाएगा और उसके बाद ही परिसीमन किया जा सकता है और इसे 25 साल के लिए टाल दिया गया था।

शिवा ने कहा कि यहां तक कि 2001 में जब दिवंगत अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री थे, तब भी उन्होंने इसे 25 साल के लिए टाल दिया था क्योंकि आबादी उस स्तर पर नहीं पहुंची थी। उन्होंने अफसोस जताया कि जनसंख्या नियंत्रण पर ध्यान देने की बजाय केंद्र ने चिकित्सकीय शिक्षा में दाखिले के लिए राज्यों पर नीट परीक्षा थोपने पर ध्यान केंद्रित किया है।

शिवा ने कहा, जनसंख्या को नियंत्रित करने और परिवार नियंत्रण पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय आप नीट परीक्षा पर जोर दे रहे हैं और अन्य सभी राज्यों को नीट परीक्षा स्वीकार करने के लिए बाध्य कर रहे हैं। इसने छात्रों को बहुत परेशान किया है। द्रमुक सदस्य ने स्वास्थ्य पर बजट आवंटन को 2017-18 में 2.5 प्रतिशत से घटाकर इस साल के बजट में केवल 1.9 प्रतिशत करने के लिए केंद्र की आलोचना की और कहा कि देश में गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों की संख्या को देखते हुए सरकार को स्वास्थ्य के लिए अधिक धन आवंटित करना चाहिए था।

'जो लोग भाजपा को दबाने की कोशिश करेंगे, वह स्वयं खत्म हो जाएंगे'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु भाजपा प्रवक्ता एएनएस प्रसाद ने एक विज्ञप्ति में बताया कि राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) को भाजपा सदस्यों के खिलाफ डीएमके सरकार के विभाग द्वारा मानवाधिकार उल्लंघन और अत्याचार की जांच करनी चाहिए, जिन्होंने दासमार्क कंपनी से जुड़े 1000 करोड़ रुपये के घोटाले के खिलाफ शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन किया था। तमिलनाडु के लोग कल भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष अन्नामलाई के बयान पर बारीकी से नज़र रख रहे हैं, जिसमें उन्होंने मुख्यमंत्री स्टालिन पर डीएमके सरकार के तहत 1,000 करोड़ के टीएएसएमएसी भ्रष्टाचार घोटाले के पीछे मुख्य दोषी होने का आरोप लगाया है। प्रवर्तन निदेशालय और खुद मुख्यमंत्री को इन आरोपों का जवाब देना चाहिए और टीएएसएमएसी शराब निगम के भीतर भ्रष्टाचार को स्पष्ट करना चाहिए, जिसने तमिलनाडु की महिलाओं को तबाह कर दिया है।

डीएमके सरकार को पिछले चार वर्षों में टीएएसएमएसी की वित्तीय स्थिति, जिसमें इसकी खरीद और बिक्री शामिल है, का ब्यौरा देते हुए एक श्वेत पत्र जारी करना चाहिए। भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रधानमंत्री मोदी का कड़ा रुख तमिलनाडु के लोगों के बीच गहराई से गूंजने लगा है। जिस तरह शराब से जुड़े भ्रष्टाचार के कारण दिल्ली और छत्तीसगढ़ में सत्ता परिवर्तन हुए, उसी तरह जल्द ही तमिलनाडु में भी ऐसा ही होगा। मुख्यमंत्री को तुरंत अपने चुनावी घोषणापत्र में किए गए वादे को वापस लेना चाहिए जिसमें उन्होंने टीएएसएमएसी शराब की दुकानें बंद करने का वादा किया था। महिला मतदाताओं को धोखा देने के प्रायश्चित के तौर पर उन्हें आबकारी मंत्री सेंथिल बालाजी और पूर्व मंत्री मुथुसामी को मंत्रिमंडल से बर्खास्त कर देना चाहिए। स्टालिन को महिला अधिकारों का प्रतिनिधित्व करने वाले नेता के तौर पर अपना रुख अपनाना चाहिए और अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करके एक मिसाल कायम करनी चाहिए।

कल तमिलनाडु भाजपा ने 1,000 करोड़ के टीएएसएमएसी घोटाले के खिलाफ लोकतांत्रिक विरोध प्रदर्शन किया। इस विशाल आंदोलन को दबाने, नियंत्रित करने या खत्म करने में असमर्थ द्रमुक सरकार ने पुलिस की बर्बरता का सहारा लिया, जिसे पूरे राज्य ने देखा। जैसा कि भाजपा अध्यक्ष अन्नामलाई ने बताया, पुलिस ने सातवीं बार भाजपा के विरोध प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी है। इसके बजाय, उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार करके, उन्हें घर में नज़रबंद करके और न्याय की मांग करने पर अपराधियों की तरह व्यवहार करके उन पर कठोर कार्रवाई की। डीएमके के दमनकारी शासन के एक उपकरण के रूप में काम करने वाली पुलिस ने मानवाधिकारों और कानून के शासन का खुलेआम उल्लंघन किया।

पूर्व केंद्रीय मंत्री पोन राधाकृष्णन, पूर्व राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन, भाजपा की राष्ट्रीय महिला विंग की अध्यक्ष वनथी श्रीनिवासन, विपक्ष के नेता नैनार नागेंद्रन और विधायक सरस्वती सभी को पुलिस ने सार्वजनिक रूप से अपमानित किया और हिरासत में लिया। अधिकारियों ने उन्हें गिरफ़्तारी के बहाने पुलिस वाहनों में ले जाया, लेकिन भीड़भाड़ वाले विवाह हॉल में जगह न मिलने पर उन्हें बीच रास्ते में ही छोड़ दिया, जहाँ भाजपा कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया जा रहा था। पुलिस की यह क्रूर और मनमानी कार्रवाई डीएमके सरकार के अहंकार को उजागर करती है।

स्टालिन के नेतृत्व वाली सरकार ने अब तमिलनाडु के राजनीतिक इतिहास का सबसे काला अध्याय लिख दिया है। राज्य भर में भाजपा के सदस्यों को पहले से ही गिरफ्तार कर लिया गया, मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया और पुलिस थानों में अपराधियों की तरह खड़ा करके उनकी तस्वीरें खींची गईं और उन्हें धमकाया गया। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग को इन पुलिस ज्यादतियों का स्वतः संज्ञान लेना चाहिए और जांच शुरू करनी चाहिए भाजपा कार्यकर्ताओं पर मानवाधिकारों के गंभीर उल्लंघन और दमनकारी हथकंडों के बावजूद, डीएमके सरकार बेशर्मी से बेपरवाह बनी हुई है। इन मुद्दों को संबोधित करने के बजाय, मंदिर की संपत्ति लूटने वालों और किराने की किटों से वोट खरीदने वालों की चापलूसी करने वाले मंत्री शेखर बाबू ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष अन्नामलाई को तमिलनाडु की राजनीति पर अभिशाप कहने की हिम्मत की। भाजपा इस बयान की कड़ी निंदा करती है।

परिसीमन के मुद्दे पर द्रमुक सदस्यों ने लोकसभा से वॉकआउट किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। द्रमुक के सांसदों ने मंगलवार को लोकसभा में संसदीय क्षेत्रों और विधानसभाओं के परिसीमन का मुद्दा उठाने का प्रयास किया और प्रश्नकाल में इसकी अनुमति नहीं मिलने पर सदन से वॉकआउट किया। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही द्रमुक के सदस्यों ने अपने स्थान पर खड़े होकर परिसीमन का मुद्दा उठाने का प्रयास किया।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने उन्हें प्रश्नकाल के बाद बोलने की अनुमति देने का आश्वासन दिया। जब द्रमुक के सदस्य अपनी मांग पर जोर देने लगे तब बिरला ने कहा, ''अभी कुछ हुआ नहीं, उसके पहले ही.... (आप इसे उठा रहे हैं)। अभी जब विषय आएगा तब देखेंगे। अभी तो सालों हैं... अभी तो जनगणना हो जाए, उसके बाद देखते हैं।''

उन्होंने हंगामा कर रहे सदस्यों से कहा, ''यह आपका गलत तरीका है। कोई मुद्दा तो हो।'' इसके बाद द्रमुक सदस्यों ने सदन से वॉकआउट किया।

द्रमुक सांसद के. कनिमोझी ने संसद भवन परिसर में संवाददाताओं से कहा, हमें (परिसीमन का) मुद्दा उठाने के लिए समय नहीं दिया गया। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने परिसीमन से प्रभावित राज्य के नेताओं से बात की है। सरकार ने तमिलनाडु की चिंता पर जवाब नहीं दिया है। हमें मुद्दा नहीं उठाने दिया जा रहा है। हम इस मुद्दे पर सरकार से स्पष्टीकरण चाहते हैं।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना से लोगों के व्यापार फलफूल रहे हैं, जताया आभार

करूर। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) पीएम मोदी की महत्वाकांक्षी योजनाओं में से एक है। इस योजना से तमिलनाडु राज्य के लोग भी लाभान्वित हो रहे हैं। इस योजना के लाभान्वित एक युवा उद्यमी कवियानंद भारती ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए पीएम मोदी का आभार जताया। योजना की तारीफ करते हुए कहा कि इससे कई लोगों को रोजगार मिल रहा है। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार की तरफ से आम जनमानस को ध्यान में रखकर कई तरह की कल्याणकारी योजनाएं चलाई जाती हैं। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) इन्हीं योजनाओं में से एक है, जिसके अंतर्गत छोटे व्यवसायियों और उद्यमियों को ऋण प्रदान किया जाता है।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) छोटे व्यवसायियों और उद्यमियों को बढ़ावा देने का काम करता है। इस योजना का उद्देश्य उद्यमिता और रोजगार सृजन को बढ़ावा देना है। इस योजना के अंतर्गत व्यवसायों और उद्यमियों को कम दरों पर ऋण प्रदान किया जाता है। करूर, तमिलनाडु के एक युवा उद्यमी कवियानंद भारती को इस योजना का लाभ मिला है। इंजीनियरिंग की डिग्री पूरी करने के बाद, भारती अपने भविष्य को लेकर अनिश्चित थे। हालांकि, 'पीएमएमवाई' की मदद से उन्होंने 2017 में अपना खुद का व्यवसाय शुरू किया। भारती की कंपनी प्राकृतिक नारियल तेल, मूंगफली तेल और अन्य उत्पाद बनाती है। उन्होंने समय पर अपना ऋण चुकाया है और योजना के तहत अतिरिक्त धन भी प्राप्त किया है। भारती ने अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने के अवसर के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने अन्य युवाओं को इस योजना का लाभ उठाने और उद्यमी बनने के लिए प्रोत्साहित किया। इसी क्षेत्र के एक अन्य निवासी शिव सुब्रमण्यम ने भारती के उत्पादों की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे प्राकृतिक तरीकों से बनाए गए हैं और उपभोग के लिए स्वास्थ्यवर्धक हैं।

बम की आशंका के बीच तिरुवनंतपुरम जिलाधिकारी कार्यालय पर मधुमक्खियों का हमला

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के तिरुवनंतपुरम जिलाधिकारी कार्यालय के पाइप में विस्फोटक लगाए जाने की मंगलवार को धमकी मिलने के बाद पुलिस और बम निरोधक दस्ते ने जब इमारत की तलाशी ले रहे थे, तभी मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। इस घटना में करीब 70 लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि जिलाधिकारी कार्यालय को दोपहर के समय ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली, जो बाद में झूठी निकली।

तिरुवनंतपुरम की जिलाधिकारी अनु कुमारी ने संवाददाताओं को बताया, पहले हमें बम की सूचना मिली। हमें एक ईमेल मिला जिसमें लिखा था कि यहां पाइप में आरडीएक्स लगाया गया है। हमने पुलिस से जांच करने को कहा। उन्होंने जांच की और कुछ नहीं मिला। उन्होंने बताया, इस बीच, जब हम लोगों को बाहर निकाल रहे थे, तभी मधुमक्खियों ने हम पर हमला कर दिया। हमारे कई कर्मचारियों को डंक मार दिया। हम उन्हें आवश्यक चिकित्सा सहायता के लिए अस्पताल ले गए। अनु ने बताया कि बम विस्फोट जैसी संभावित घटना के बीच मधुमक्खियों का हमला अप्रत्याशित था। उन्होंने कहा, शुक्र है कि लोग सुरक्षित हैं। पुलिस ने बताया कि धमकी झूठी थी। हालांकि, इस बात की जांच की जा रही है कि ईमेल किसने भेजा था। पुलिस के मुताबिक, मधुमक्खियों के डंक मारने के बाद करीब 70 लोग इलाज के लिए पेरूरकाडा सरकारी अस्पताल ले जाए गए और पांच लोगों की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें यहां के सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल स्थानांतरित कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि घटना में पुलिसकर्मी, मीडियाकर्मी,

दुकानों, प्रतिष्ठानों के नाम तमिल में प्रदर्शित होने चाहिए : रंगासामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

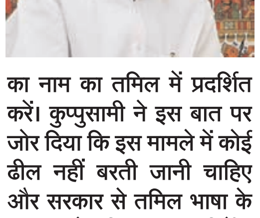

पुडुचेरी। पुडुचेरी के मुख्यमंत्री एन रंगासामी ने कहा कि सरकार सभी दुकानों और प्रतिष्ठानों को परिपत्र जारी कर उन्हें अपना नाम तमिल में प्रदर्शित करने का निर्देश देगी।

विधानसभा में शून्यकाल के दौरान निर्दलीय सदस्य जी नेहरू उर्फ कुप्पुसामी के सवाल पर रंगासामी ने कहा, परिपत्र के माध्यम से सख्त निर्देश जारी किए जाएंगे, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि दुकान मालिक साइनबोर्ड पर अपने प्रतिष्ठान का नाम का तमिल में प्रदर्शित करें। कुप्पुसामी ने इस बात पर जोर दिया कि इस मामले में कोई ढील नहीं बरती जानी चाहिए और सरकार से तमिल भाषा के सम्मान के लिए सख्त निर्देश वाले परिपत्र जारी करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने यह भी निर्णय लिया है कि सरकारी विभागों के सभी कार्यक्रमों के निमंत्रण पत्र तमिल में भी लिखा होना चाहिए। उन्होंने कहा, तमिल भाषा के प्रति प्रेम और सम्मान के कारण ऐसा किया जा रहा है।। इससे पहले प्रश्नकाल के दौरान लोक निर्माण और मत्स्य पालन मंत्री के लक्ष्मीनारायणन ने सदन को बताया कि सरकार तटीय क्षेत्र के कटाव को रोकने के उपायों के तहत पुडुचेरी तटरेखा के पूरे 24 किलोमीटर क्षेत्र में चट्टानें बिछाएगी। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के लिए लगभग 1,000 करोड़ रुपये की आवश्यकता होगी तथा इसके कार्यान्वयन के लिए केंद्र से धनराशि मिलने की उम्मीद है।

व्यक्ति ने अपनी पूर्व मंगेतर के भाई की हत्या की

कोल्लम/भाषा। केरल के कोल्लम जिले में सगाई तोड़े जाने से नाराज एक व्यक्ति ने अपनी पूर्व मंगेतर के 22 वर्षीय भाई की कथित तौर पर हत्या कर दी। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी तेजस राज ने पीड़ित फेबिन जॉर्ज गोमज पर सोमवार रात को कथित तौर पर हमला किया। उसने बताया कि कुछ घंटों बाद, राज का शव कडप्पाक्कडा में रेल पटरी पर मिला और संदेह है कि उसने आत्महत्या की है। पुलिस के मुताबिक राज नकाब पहनकर पीड़ित के घर आया और वह अपने साथ हमले के लिए चाकू और पेट्रोल भी लाया था ।

एक अधिकारी ने बताया, हम यह जांच कर रहे हैं कि वह पेट्रोल कहा से लेकर आया था। नकाब अपराध स्थल पर मिला है। स्थानीय लोगों का मानना है कि राज ने घटना को अंजाम पीड़ित की बहन द्वारा सगाई तोड़े जाने से आक्रोशित होकर उठाया है।

कोल्लम जिला के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, हमे इन आशंकाओं की जांच के दौरान पृष्टि करने की जरूरत है। पुलिस ने बताया कि राज ने जिस कार का इस्तेमाल अपराध स्थल तक जाने के लिए किया, वह रेल पटरी के नजदीक मिली है।

व्यक्ति ने अपनी पूर्व मंगेतर के भाई की हत्या की

कोल्लम/भाषा। केरल के कोल्लम जिले में सगाई तोड़े जाने से नाराज एक व्यक्ति ने अपनी पूर्व मंगेतर के 22 वर्षीय भाई की कथित तौर पर हत्या कर दी। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी तेजस राज ने पीड़ित फेबिन जॉर्ज गोमज पर सोमवार रात को कथित तौर पर हमला किया। उसने बताया कि कुछ घंटों बाद, राज का शव कडप्पाक्कडा में रेल पटरी पर मिला और संदेह है कि उसने आत्महत्या की है। पुलिस के मुताबिक राज नकाब पहनकर पीड़ित के घर आया और वह अपने साथ हमले के लिए चाकू और पेट्रोल भी लाया था। अधिकारी ने बताया, ''हम यह जांच कर रहे हैं कि वह पेट्रोल कहा से लेकर आया था। नकाब अपराध स्थल पर मिला है।''

वैश्विक ताकत बनकर उभर रहा भारत : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने मंगलवार को चूरू में विकास कार्यक्रमों और जनहित की योजनाओं की समीक्षा की। बागड़े ने कहा कि भारत वैश्विक ताकत बनकर उभर रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ हो रही है और देश सर्वोच्च शक्ति के रूप में स्थापित हो रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान वीरों की धरती है। यहां के शूरवीरों ने अपने सर्वोच्च बलिदान से मातृभमि की रक्षा की है। हम सभी वर्ष 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने के संकल्प में सहयोग दें। हमारी पीढ़ी को बौद्धिक रूप से मजबूत करें। हम बौद्धिक रूप से सुदृढ़ होंगे तो देश खुशहाल होगा।

राज्यपाल बागड़े ने जिला परिषद सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों से संवाद कर समुचित दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान राज्यपाल बागड़े ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का बेहतरीन क्रियान्वयन करें और शिक्षा नीति के बेहतरीन क्रियान्वयन के लिए शिक्षकों को प्रशिक्षण दें तथा शैक्षिक सुदृढ़ीकरण के लिए संकल्पित रहें। उन्होंने कहा कि हरियालो राजस्थान अभियान के दौरान बड़ी संख्या में पौधे लगाए तथा घने जंगल के रूप में विकसित करें। पारिस्थितिकी व पर्यावरण के संरक्षण की दिशा में अधिकाधिक वृक्षारोपण करें तथा प्रयास करें कि छायादार पौधे लगाएं। इसी के साथ राज्यवृक्ष खेजड़ी का संरक्षण, संवर्द्धन करें।

बागड़े ने कहा कि जिले में औद्योगिक विकास को गति मिले और अधिकाधिक लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाएं। यहां की क्षेत्रीय विशेषताओं को बढ़ावा दें ताकि रोजगार के बेहतरीन अवसर सृजित हों। इस दौरान उन्होंने विभागीय कार्यक्रमों व योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि पीएम सूर्यघर योजना में किसानों व आमजन को प्रेरित करें। पीएम कुसुम योजना में किसानों को प्रेरित करते हुए खेतों में अधिकतम सौर उर्जा संयत्र स्थापित किए जाएं ताकि काश्त में काश्तकारों को संबल मिल सके। किसानों को उनकी फसल को खरीद केन्द्रों पर विक्रय करने के लिए प्रेरित करें तथा कृषि, विपणन, उद्यानिकी व बैंकों आदि की विभागीय योजनाओं के बारे में जानकारी देते हुए जागरूक करें। जेजेएम में सभी गांवों में पेयजल कनेक्टिविटी सुनिश्चित करें तथा पेंडिंग कनेक्शन पूरे करें। बागड़े ने कहा कि राजीविका महिलाओं को विभिन्न ऋण योजनाओं में लाभान्वित करें और प्रयास करें कि योजना में ऋण योजना में लाभ का बेहतरीन यूटीलाइजेशन हो। महानरेगा योजना अंतर्गत सुदूर गांवों-ढाणियों में सड़कों की कनेक्टिविटी सुनिश्चित करें। इसी के साथ महानरेगा में श्मशान व जोहड़ विकास कार्यों पर फोकस करें। वाटरशेड कार्यों में वर्षा जल संरक्षण करते हुए भूजल स्तर बढ़ाने के लिए प्रयास करें। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने जिले में विभागीय योजनाओं की प्रगति से अवगत करवाते हुए दिशा-निर्देशों की पालना करवाने व बेहतरीन क्रियान्विति के लिए आश्वस्त किया।

मुख्यमंत्री शर्मा ने पुलिसकर्मियों की समस्याओं के निपटारे के लिए बुलाई गृह विभाग की बैठक

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पुलिकर्मियों की पदोन्नति, वेतन, अवकाश संबंधी मांगों सहित अन्य समस्याओं के समाधान के लिए सोमवार को गृह विभाग की एक बैठक बुलाई और अधिकारियों को निर्देश दिये। अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह विभाग) आनन्द कुमार ने बताया कि राजस्थान पुलिस बल के कर्मियों और अधिकारियों द्वारा 15 मार्च को होली नहीं मनाने की जानकारी मुख्यमंत्री के संज्ञान में आने पर इस विषय को काफी गंभीरता से लिया गया और पुलिस विभाग में लंबित समस्याओं का स्थाई समाधान निकालने के निर्देश दिये गये। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री शर्मा को इस बात से भी अवगत कराया गया कि पुलिसकर्मियों की सेवा संबंधी कुछ मांगें पिछले पांच-छह वर्षों से विचाराधीन हैं, जिनमें उनकी पदोन्नति, वेतन, अवकाश संबंधी अनुरोध शामिल हैं। कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री ने इस विषय को काफी गंभीरता से लिया और अधीनस्थ पुलिसकर्मियों से संबंधित तथा उनके कल्याणार्थ बिंदुओं पर अतिशीघ्र आवश्यक उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिये।

भाजपा विधायक ने अजान के लिए लाउडस्पीकरों की आवाज नियंत्रित करने की जरूरत बताई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/जोधपुर। राजस्थान के जयपुर में हवा महल विधानसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक बालमुकुंद आचार्य ने सोमवार को कहा कि अजान के लिए लाउडस्पीकरों की आवाज नियंत्रित करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि तेज आवाज से कई लोगों को सिरदर्द और 'माइग्रेन' की समस्या होती है तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है। आचार्य ने कहा कि इन दिनों में (रमजान) जानबूझकर लाउडस्पीकरों की आवाज बढ़ा दी जाती है और कुछ लोगों ने अपने घरों में लाउडस्पीकर लगा लिए हैं, जिस पर पुलिस प्रशासन को निगरानी रखनी चाहिए और उसे नियंत्रित करना चाहिए। कांग्रेस नेता प्रताप सिंह खाचरियावास ने सत्तारूढ़ दल के विधायक आचार्य के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भाजपा के कुछ विधायक अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं, इसलिए इस तरह की फालतू के बयान दे रहे हैं।

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने भी भाजपा विधायक पर निशाना साधते हुए कहा कि असली मुद्दों पर ध्यान देने की बजाय वह सिर्फ हिंदू-मुस्लिम कर रहे हैं। भाजपा विधायक बालमुकुंद आचार्य ने यहां संवाददाताओं से कहा, जिनको पीड़ा है, सिर दर्द है, माइग्रेन है तो उन्हें इसे ठीक करने की आवश्यकता है। इन दिनों में (रमजान) आवाज ज्यादा की जा रही है। कुछ घरों में लाउडस्पीकर लगाए जा रहे हैं। हमने दो-चार जगहों पर निवेदन किया है कि घर पर लाउडस्पीकर नहीं लगायें। उन्होंने कहा, पुलिस प्रशासन जांच करे कि आवाज कितनी होनी चाहिए और कितनी आवाज फिलहाल है। उस आवाज की जांच करने के लिये पुलिस प्रशासन से निवेदन करूंगा कि वे मामले की जांच करें। प्रदेश सरकार में विधि एवं विधिक मामलों के मंत्री जोगाराम पटेल से जोधपुर में जब पत्रकारों ने पूछा कि क्या राज्य सरकार अन्य राज्यों की तरह लाउडस्पीकरों पर नियंत्रण के लिए कदम उठाएगी।

भाजपा सरकार के कार्यकाल में किसान है परेशान : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर उसके कार्यकाल में किसानों को परेशान करने में कोई कसर नहीं रखे जाने का आरोप लगाते हुए कहा है कि सरसों की उपज बाजार में आ चुकी है परन्तु अभी तक न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर सरकारी खरीद की प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है। गहलोत ने मंगलवार को अपने बयान में कहा कि जबकि गेंहू की अभी कटाई भी नहीं हुई परन्तु गेंहू की एमएसपी पर खरीद का पंजीयन शुरू कर दिया है। हालांकि भाजपा ने गेंहू की एमएसपी 2700 रुपये

करने की बात अपने घोषणा पत्र में की थी जो अभी तक पूरी नहीं की है। पहले मूंगफली की सरकारी खरीद में भी भ्रष्टाचार की शिकायतें आई थीं।

उन्होंने कहा कि यह सरकार किसानों को ना बिजली दे पा रही है, ना पानी दे पा रही और ना ही उपज का सही दाम दे पा रही है। ऐसा लगता है राजस्थान के किसानों को भाजपा सरकार ने केन्द्र सरकार की ही भांति अपने हाल पर ही छोड़ दिया है। राजस्थान के किसान अपने को उपेक्षित एवं ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। राज्य सरकार को अविलंब इस ओर ध्यान देना चाहिए। हालांकि भाजपा ने गेहूं की एमएसपी 2700 रुपये करने की बात अपने घोषणा-पत्र में की थी, जो अभी तक पूरी नहीं की है। पहले मूंगफली की सरकारी खरीद में भी भ्रष्टाचार की शिकायतें आई थीं। ये सरकार किसानों को ना बिजली दे पा रही है, ना पानी दे पा रही और ना ही उपज का सही दाम दे पा रही है। ऐसा लगता है राजस्थान के किसानों को भाजपा सरकार ने केन्द्र सरकार की ही भांति अपने हाल पर ही छोड़ दिया है। राजस्थान के किसान अपने को उपेक्षित एवं ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। राज्य सरकार को अविलंब इस ओर ध्यान देना चाहिए।

उदयपुर के बापू बाजार में एक शोरूम में भीषण आग लगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में उदयपुर के बापू बाजार इलाके में मंगलवार सुबह घड़ियों के एक शोरूम में भीषण आग लग गई जिससे पूरे बाजार में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि देखते ही देखते आग तीन मंजिला इमारत में फैल गई, जिससे मालिक का परिवार ऊपरी मंजिल पर फंस गया। पुलिस ने बताया कि बाजार के एक हिस्से को खाली करा लिया गया और फंसे हुए परिवार को बचा लिया गया। पुलिस का कहना है कि स्थिति को नियंत्रित करने के लिए आसपास से बड़ी संख्या में लोगों को हटाया गया।

उसने बताया कि आग शोरूम वाली इमारत की पहली मंजिल पर लगी थी, लेकिन कुछ ही मिनटों में यह दूसरी मंजिल तक फैल गई। पुलिस के मुताबिक आपातकालीन बचाव दल को मालिक निकेश तक पहुंचने के लिए करीब दो घंटे तक मशक्कत करनी पड़ी, जो अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ तीसरी मंजिल पर फंसे हुए थे। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि आग का कारण शॉर्ट सर्किट हो सकता है। पुलिस के मुताबिक दो पुलिसकर्मी मालिक के परिवार की मदद के लिए सीढ़ी से चढ़े। उन्होंने परिवार के सदस्यों को बगल की इमारत से सफलतापूर्वक बाहर निकाला। बाद में आग पर काबू पा लिया गया।

स्वागत

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंदसिंह डोटासरा के मंगलवार को उदयपुर पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया।

बलूचिस्तान की महिला सीमा पार करके आई भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में पाकिस्तान की एक महिला को सीमा पर बॉर्डर सिक्यॉरिटी फोर्स (बीएसएफ) ने पकड़ा है। महिला पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत की रहने वाली है। महिला से पूछताछ की जा रही है। शुरुआती जांच में उसे बताया है कि वह घरेलू हिंसा की शिकार थी और इसलिए पाकिस्तान से भारत आ गई। राजस्थान में श्रीगंगानगर जिले के अनूपगढ़ सेक्टर में सोमवार सुबह पाकिस्तानी महिला को पकड़ा गया। बीएसएफ की विजेता पोस्ट के अधीन पिलर नंबर 362/28 के पास से महिला रात किसी समय भारतीय क्षेत्र में करीब 50 मीटर अंदर आ गई। वह तारबंदी के पास छिपकर बैठ गई। सुबह उजाला होने पर जीरो लाइन पर गश्त पर निकले बीएसएफ के गश्ती दल को पैर के निशान दिखे। इसका पीछा करते हुए उन्होंने महिला को पकड़ लिया। सूत्रों ने बताया कि महिला के पास एक मोबाइल फोन मिला है। उसने सोने की बालियां, नोज पिन और चूड़ियां पहनी हुई थीं। देखने में वह समृद्ध परिवार की लग रही है। महिला को अनूपगढ़ में बीएसएफ के मुख्यालय पर लाया गया। कुछ ही देर में श्रीगंगानगर मुख्यालय से बीएसएफ के उच्च अधिकारी भी अनूपगढ़ सेक्टर में पहुंच गए। बीएसएफ के अधिकारियों और खुफिया एजेंसियों ने उससे पूछताछ शुरू कर दी।

सूत्रों के अनुसार महिला ने अपना नाम हुमायरा बताया है। उसने कहा कि कासिम नाम के एक शख्स से उसका निकाह हुआ था। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के जिला कैच में तहसील तुरबत के गांव दगरी खान में वह पति के साथ रहती थी। लेकिन उसका पति उसके साथ मारपीट करता था। महिला मूल रूप से कराची की है। हुमायरा ने बताया कि उसके माता पिता की मौत हो चुकी है।

महिला का कहना है कि वह घरेलू हिंसा की शिकार थी और भारत आने का दूसरा कारण वह इन दिनों बलूचिस्तान में हो रही हिंसा भी है।उसने बताया है कि हिंसा के चलते वह खुद को पाकिस्तान में असुरक्षित महसूस करती है। इसी कारण वह भारतीय क्षेत्र में प्रवेश कर गई। वह जान माल का खतरा बताते हुए वापस पाकिस्तान जाने से इनकार कर रही है। उसने कहा है कि वहां जाते ही उसे मार दिया जाएगा। उसने भारत में रहने के लिए शरण मांगी है। फिलहाल खुफिया एजेंसियां उससे कड़ी पूछताछ करने में लगी हैं। उसके मोबाइल फोन की कॉल डिटेल्स की भी जांच की जा रही है। देर शाम तक हुमायरा को बीएसएफ ने पुलिस के सुपुर्द नहीं किया था।

जनकल्याण को समर्पित होगा राजस्थान दिवस : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश के गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति का कल्याण राज्य सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने बजट 2025-26 में आगामी राजस्थान दिवस (30 मार्च, 2025 चैत्र शुक्ल प्रतिपदा) के उपलक्ष्य पर सप्ताहभर वृहद स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए जाने की घोषणा की है, जिसके माध्यम से प्रदेश के इन चारों वर्गों को सौगातें दी जाएंगी। इस पर्व पर जनकल्याण को समर्पित कार्यक्रमों के साथ ही निवेश उत्सव, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं लगभग 5 हजार करोड़ रूपये के विकास कार्यों का लाकार्पण एवं शिलान्यास भी किया जाएगा।

मुख्यमंत्री शर्मा मुख्यमंत्री निवास पर राजस्थान दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों को इस दौरान आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाते हुए तैयारियों को अंतिम रूप देने के निर्देश दिए।

शर्मा ने कहा कि इस अवसर पर रोजगार उत्सव के माध्यम से सरकारी नौकरियों के नियुक्ति पत्र प्रदान करने के साथ ही जिला मुख्यालय पर रोजगार मेलों का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है। इसी तरह बजट घोषणाओं की अनुपालना में राज्य सरकार कौशल नीति एवं युवा नीति भी लेकर आएगी। विश्वकर्मा युवा उद्यमी प्रोत्साहन योजना, मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान भी शुरू किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी तरह किसान कल्याण के लिए राज्य सरकार द्वारा किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) का मेलों का आयोजन तथा किसानों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत अनुदान हस्तान्तरण भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नारी सशक्तीकरण की दिशा में राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है।

इसी कड़ी में राज्य सरकार द्वारा राजस्थान दिवस पर होने वाले कार्यक्रम के अंतर्गत लाडो प्रोत्साहन योजना की लाभार्थियों एवं विभिन्न महिला समूहों को सी.आई.एफ. राशि का हस्तान्तरण किया जाएगा। इसी तरह प्रदेश की महिलाओं को इंडक्शन कुकटाप, कालीबाई भील योजना के अन्तर्गत स्कूटी वितरण एवं विवेकानन्द स्कॉलरशिप योजना के लाभान्वितों को स्वीकृति पत्र का वितरण किया जाएगा।

सरिस्का बाघ अभ्यारण्य को मंगलवार को बंद रखने का आग्रह

जयपुर। राजस्थान के वन्यजीव प्रेमियों ने राज्य के वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा से सरिस्का बाघ अभ्यारण्य को मंगलवार को बंद रखने का अनुरोध किया। सरिस्का बाघ अभ्यारण्य के निकट पांडुपोल हनुमान मंदिर में मंगलवार को सबसे अधिक पर्यटक आते हैं। उन्होंने मंत्री को लिखे पत्र में लिखा कि सबसे व्यस्त दिन पर बाघ अभ्यारण्य को खुला रखने से वन्यजीवों की परेशानी बढ़ जाती है। 'सरिस्का टाइगर फाउंडेशन' के संस्थापक सदस्य दिनेश दुर्रानी ने पत्र में कहा, अभ्यारण्य को मंगलवार को बंद करने से वन्यजीवों को काफी लाभ होगा क्योंकि इससे मानवीय गतिविधियों के कारण होने वाले तनाव में कमी आएगी। उन्होंने कहा इस बदलाव से पूरे सप्ताह आगंतुकों की संख्या में समानता रहेगी, जिससे बेहतर संरक्षण प्रयास सुनिश्चित होंगे। एक अन्य वन्यजीव प्रेमी ने कहा कि बुधवार को रिजर्व को बंद करने का मौजूदा तरीका रणथंभौर मॉडल का अनुसरण करता है।

राजस्थान में बिना भेदभाव हो रहे विकास कार्य : प्रेमचंद बैरवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। राजस्थान के उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 200 विधानसभा क्षेत्रों में बिना किसी भेदभाव के विकास कार्य करवा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि राज्य में उम्मीद से बेहतर कार्य हो रहे हैं। प्रेमचंद बैरवा आज जोधपुर पहुंचे, जहां उन्होंने लूणी विधानसभा क्षेत्र में आयोजित होली स्नेह मिलन कार्यक्रम में भाग लिया। एयरपोर्ट पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इस दौरान कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल भी उनके स्वागत के लिए मौजूद रहे।

पत्रकारों से बातचीत में बैरवा ने खींवसर विधायक रेवत राम डांगा द्वारा विकास कार्यों को लेकर जताई गई नाराजगी पर कहा, राज्य में सबके काम हो रहे हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सभी विधानसभा क्षेत्रों में समान रूप से काम करवा रहे हैं। पत्र लिखे जाने की कोई आवश्यकता नहीं है, मुख्यमंत्री के पास हर समस्या का समाधान मौजूद है। बाल मुकुंद आचार्य द्वारा लाउडस्पीकर से माइग्रेन और कान संबंधी समस्या उठाने पर उन्होंने कहा कि हम अभद्र भाषा का प्रयोग नहीं करते। हम संस्कृति और संस्कारों से जुड़कर काम करने वाले लोग हैं। राजस्थान पुलिस द्वारा मेस बहिष्कार से जुड़े सवाल पर बैरवा ने कहा, ऐसा कोई बहिष्कार नहीं किया गया, स्थिति पूरी तरह सामान्य है।

सरकारी योजनाओं में फर्जीवाड़ा करने वालों से हो वसूली : गौतम कुमार दक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक ने कहा कि बजट घोषणाओं की समयबद्ध क्रियान्विति की जाए। अनियमितताओं के मामलों में सख्त रुख अपनाते हुए कठोर कार्यवाही की जाए। जिन खरीद केन्द्रों पर पूर्व में अनियमितताएं हुई हैं, उनकी जांच करवाई जाए। साथ ही, उनका भुगतान रोकने की कार्यवाही भी की जाए। पीएम सम्मान निधि में दोषियों से वसूली की कार्यवाही की जाए। दक अपेक्स बैंक सभागार में राज्य बजट 2025-26 में की गई घोषणाओं सहित विभागीय गतिविधियों की समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रहे थे।

दक ने राज्य सहकारी भूमि विकास बैंक के अधिकारियों को निर्देश दिए कि अकृषि ऋणों की वसूली के लिए अधिनियम के अनुसार कार्यवाही की जाए तथा अवधिपार ऋणों की वसूली के लिए ऋणी सदस्यों को नोटिस देने के साथ ही समझाइश की जाए। मंत्री ने दक ने एकमुश्त समझौता योजना का ड्राफ्ट वित्त विभाग से अनुमोदन के लिए शीघ्र भिजवाए जाने तथा योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार कर अधिक से अधिक किसानों को लाभान्वित किए जाने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने योजना के बारे में सभी ऋणियों को कॉल सेन्टर के माध्यम से सूचित करने के लिए एजेंसी हायर करने के भी निर्देश दिए।

दक ने अप्रेल से शुरू होने जा रही चना-सरसों की समर्थन मूल्य पर खरीद को लेकर राजफैड अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं दुरूस्त रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हैण्डलिंग और ट्रांसपोर्ट के टेंडर को लेकर उप रजिस्ट्रारों की जिम्मेदारी भी तय की जाए। टेंडर प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शितापूर्ण होनी चाहिए।

विपक्ष ने मोदी के वक्तव्य को 'डैमेज कंट्रोल' बताया, भाजपा बोली: महाकुंभ का संदेश दुनिया तक पहुंचाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विपक्षी दलों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लोकसभा में महाकुंभ पर दिए गए वक्तव्य को 'डैमेज कंट्रोल' का प्रयास करार दिया और कहा कि उन्होंने अपने बयान में इस आयोजन के दौरान में भगदड़ में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि नहीं दी।

दूसरी तरफ, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कहा कि प्रधानमंत्री ने देश की संसद से महाकुंभ से निकले एकता के संदेश को दुनिया तक पहुंचाया है और उनकी बातें उन लोगों को पसंद नहीं आईं जो 'औरंगजेब फैन क्लब' में शामिल हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले दिनों उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित हुए महाकुंभ को भारत के इतिहास में अहम मोड़ करार देते हुए मंगलवार को लोकसभा में कहा कि दुनिया ने देश के विराट स्वरूप को देखा और यह 'सबका प्रयास' का साक्षात स्वरूप भी था, जिसमें 'एकता का अमृत' समेत कई अमृत निकले। प्रयागराज में संपन्न महाकुंभ को लेकर निचले सदन में दिए गए एक वक्तव्य में मोदी ने यह भी कहा कि महाकुंभ में अनेकता में एकता का विराट रूप, देश की सामूहिक चेतना और सामर्थ्य भी दिखा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता

प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सदन में प्रधानमंत्री मोदी के वक्तव्य के बाद कहा कि उन्होंने (मोदी ने) आयोजन स्थल पर भगदड़ में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि नहीं दी और सदन में विपक्ष के नेता के तौर पर उन्हें बोलने का मौका नहीं मिला। उन्होंने संसद परिसर में संवाददाताओं से यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को रोजगार के बारे में बोलना चाहिए। राहुल गांधी ने कहा, ''प्रधानमंत्री ने जो कहा, मैं उसका समर्थन करना चाह रहा था। कुंभ हमारी परंपरा, इतिहास और संस्कृति है। हमारी एक ही शिकायत है कि प्रधानमंत्री ने उन लोगों को श्रद्धांजलि नहीं दी, जिन्होंने कुंभ में (भगदड़ के दौरान) जान गंवाई। कुंभ की अपनी जगह है, लेकिन कुंभ में जो युवा गए थे, वे प्रधानमंत्री से एक और चीज चाहते हैं, और वह है रोजगार। प्रधानमंत्री को रोजगार पर भी बोलना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''लोकतांत्रिक प्रक्रिया के मुताबिक, सदन में विपक्ष के नेता को बोलने का मौका मिलना चाहिए, लेकिन वे हमें बोलने नहीं देंगे। यही नया भारत है।'' कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, ''संसद में प्रधानमंत्री के वक्तव्य के बाद विपक्ष को भी बोलने देना चाहिए था, क्योंकि कुंभ के विषय पर विपक्ष की भी भावनाएं हैं, जिसे लेकर कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। इसलिए विपक्ष को भी इस बारे में बोलने देना चाहिए था।''

राज्यसभा में तृणमूल कांग्रेस के संसदीय दल के नेता डेरेक ओब्रायन ने संवाददाताओं से कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी का भाषण नुकसान की भरपाई (डैमेज कंट्रोल) वाला भाषण है। वह अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में 'डैमेज कंट्रोल मोड' में हैं... वह चाहते हैं कि उनके सांसद तारीफ करें, लेकिन ट्रंप ने टैरिफ लगा दिया है।''

रामनवमी की शोभायात्रा को रोकने के किसी भी प्रयास का कड़ा विरोध किया जाएगा : अधिकारी

कोलकाता/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता शुभेंदु अधिकारी ने मंगलवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में रामनवमी के मौके पर निकाली जाने वाली शोभायात्रा को रोकने के किसी भी प्रयास का कड़ा विरोध किया जाएगा। राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर एक समुदाय को खुश करने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि इस पद पर उनके दिन अब गिने-चुने रह गए हैं।

अधिकारी ने दावा किया, ''हिन्दुस्तान में हिन्दू राज करेंगे और जो हिन्दुओं के लिए काम करेंगे, वे पश्चिम बंगाल में राज करेंगे। ममता बनर्जी अगर सत्ता में रहीं, तो राज्य की स्थिति बांग्लादेश जैसी हो जाएगी। उनके शासन के दिन अब गिने-चुने रह गए हैं। हिंदू अब एक समुदाय के प्रति उनके खुलेआम तुष्टीकरण और रामनवमी उत्सव को कुचलने के प्रयासों को स्वीकार नहीं करेंगे।'' उन्होंने पिछले सप्ताह कहा था कि छह अप्रैल को रामनवमी के अवसर पर राज्य भर में 20,000 से अधिक शोभायात्राएं निकाली जाएंगी। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हुए हमलों की तरह, पिछली दुर्गा पूजा के दौरान राज्य में हिंदू समुदाय के कई पूजा स्थलों में तोड़फोड़ की गई थी।

राजनाथ ने नीदरलैंड के रक्षामंत्री से मुलाकात के दौरान साझेदारी और मजबूत करने पर दिया जोर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को यहां नीदरलैंड के अपने समकक्ष रूबेन बर्केलमैन्स से मुलाकात की और हिंद-प्रशांत तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों सहित व्यापक विषयों पर चर्चा की।

सिंह ने कहा कि दोनों नेता द्विपक्षीय रक्षा साझेदारी को और अधिक गहरा तथा उन्नत बनाने के लिए तत्पर हैं।

रक्षा मंत्रालय ने यहां एक बयान में कहा कि दोनों मंत्रियों ने पोत निर्माण, उपकरण और अंतरिक्ष क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की, जिससे दोनों देशों के कौशल, प्रौद्योगिकी में तालमेल को अधिकतम किया जा सके।

सिंह ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, नई दिल्ली में नीदरलैंड के युवा और गतिशील रक्षा मंत्री रूबेन बर्केलमैन्स से मिलकर मुझे बहुत खुशी हुई। हमने भारत-नीदरलैंड रक्षा सहयोग के पूरे दायरे की समीक्षा की। हम अपनी रक्षा साझेदारी को और गहरा करने और आगे बढ़ाने के लिए तत्पर हैं। हमारी चर्चा के क्षेत्रों में रक्षा, साइबर सुरक्षा, हिंद-प्रशांत और कृत्रिम बुद्धिमता जैसी उभरती हुई प्रौद्योगिकियां शामिल थीं।

बयान में कहा गया कि दोनों नेताओं ने रक्षा, सुरक्षा, सूचना आदान-प्रदान, हिंद-प्रशांत और नई एवं उभरती प्रौद्योगिकियों जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। उन्होंने संबंधित रक्षा प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थानों और संगठनों को जोड़ने के अलावा एआई और संबंधित प्रौद्योगिकियों जैसे क्षेत्रों में मिलकर काम करने पर भी चर्चा की।

महाकुंभ में भगदड़ की जांच उप्र सरकार ने की, केंद्र के पास आंकड़ा नहीं होता: नित्यानंद राय

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने मंगलवार को लोकसभा में कहा कि प्रयागराज महाकुंभ के दौरान मची भगदड़ की घटना की जांच उत्तर प्रदेश सरकार ने की और उसके (केंद्र) के पास ऐसी घटनाओं में हताहत हुए लोगों का आंकड़ा नहीं होता है। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने भगदड़ में मारे गए और घायल हुए लोगों की संख्या और कारणों की जांच के लिए अधिकारियों द्वारा उठाए गए कदमों पर कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल और के. नामदेव के एक सवाल का लिखित जवाब देते हुए यह जानकारी साझा की। राय ने कहा कि संविधान की सातवीं अनुसूची के अनुसार, विधि व्यवस्था और पुलिस राज्य के विषय हैं। उन्होंने कहा कि धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन, भीड़ प्रबंधन, भक्तों के लिए सुविधाओं की व्यवस्था, कार्यक्रमों के दौरान किसी भी प्रकार की आपदा की रोकथाम आदि लोक व्यवस्था से जुड़े हुए हैं, जो राज्य का विषय है। उन्होंने एक लिखित उत्तर में कहा, ''किसी राज्य में भगदड़ सहित किसी भी प्रकार की आपदा की किसी भी प्रकार की जांच करना और मृत श्रद्धालुओं और घायल व्यक्तियों के परिवारों को वित्तीय सहायता का प्रावधान भी संबंधित राज्य सरकारों के दायरे में आता है।''

बच्चों को स्वच्छता और अनुशासन का पाठ पढ़ाना जरूरी : राज्यपाल आनंदीबेन पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने मंगलवार को कुशीनगर जिले में 'प्री-स्कूल और स्वास्थ्य किट' वितरित की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि बच्चों को स्वच्छता और अनुशासन का पाठ पढ़ाना जरूरी है।

यह कार्यक्रम कुशीनगर जिला समाहरणालय परिसर में आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य आंगनवाड़ी केंद्रों को मजबूत करना और बचपन की शिक्षा को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए महिला सशक्तीकरण और बाल विकास पर ध्यान देना अत्यंत आवश्यक है। पटेल ने कहा कि छोटे बच्चों को आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से मानसिक, शारीरिक और बौद्धिक रूप से सशक्त बनाना होगा

ताकि वे भविष्य में देश की प्रगति में योगदान दे सकें। राज्यपाल ने स्वच्छता का महत्व बताते हुए कहा कि बचपन से ही बच्चों को स्वच्छता और अनुशासन का पाठ पढ़ाना जरूरी है, जिससे वे इसे अपने जीवन में आत्मसात कर सकें। उन्होंने कहा कि जैसे मजबूत फसल के लिए धरती तैयार करनी पड़ती है, वैसे ही बच्चों को संस्कार और ज्ञान देकर उच्च शिक्षा के लिए तैयार करना चाहिए। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों को संसाधनों से लैस करने के महत्व को रेखांकित करते हुए बताया कि आंगनबाड़ी केंद्रों में अध्ययनरत छोटे-छोटे बच्चे ही देश के भविष्य की नींव हैं। पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत 2047 के संकल्प को पूरा करने में ये बच्चे महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे क्योंकि उनके कंधों पर एक सशक्त और समृद्ध भारत के निर्माण की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि कहा कि बेटा हो या बेटी, बिना किसी भेदभाव के सभी बच्चों को शिक्षा, स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाया जाना चाहिए। उन्होंने इस बात जोर दिया कि प्रसव अस्पतालों में ही होने चाहिए जिससे जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ रहें। राजभवन से जारी एक बयान के अनुसार राज्यपाल ने कुशीनगर में विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को लाभ पहुंचाया। इस अवसर पर 250 आंगनबाड़ी केंद्रों को प्री-स्कूल किट, 50 लाभार्थियों को भू-पट्टा, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को प्रशस्ति पत्र, 'डिजी' शक्ति योजना के तहत 200 लाभार्थियों को टेबलेट, 150 सफाई कर्मियों को स्वच्छता किट तथा 250 लाभार्थियों को आयुष्मान भारत कार्ड दिये गये।

हम मणिपुर में सामान्य स्थिति और समृद्धि लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं: वित्त मंत्री सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को राज्यसभा में कहा कि केंद्र सरकार मणिपुर में सामान्य स्थिति और समृद्धि लाने के लिए प्रतिबद्ध है।

इसके साथ ही उन्होंने राज्य के आर्थिक विकास के लिए सभी तरह का समर्थन देने का आश्वासन दिया। वित्त मंत्री ने उच्च सदन में यह बात मणिपुर के बजट और उससे संबंधित अनुदान की अनुपूरक मांगों पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए कही। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कुछ छिटपुट घटनाओं को छोड़कर पूर्वोत्तर राज्य में कुल मिलाकर

कानून व्यवस्था की स्थिति में सुधार हुआ है। सीतारमण ने पिछले सप्ताह सोमवार को 2025-26 के लिए मणिपुर का बजट पेश किया था, जिसमें 35,103.90 करोड़ रुपए के व्यय का अनुमान किया गया है, जो चालू वित्त वर्ष के 32,656.81 करोड़ रुपए से अधिक है।

संविधान के अनुच्छेद 356 के तहत 13 फरवरी 2025 को जारी उद्घोषणा के परिणामस्वरूप, मणिपुर राज्य के विधानमंडल की शक्तियां संसद द्वारा या उसके प्राधिकार के तहत प्रयोग की जाएंगी। सीतारमण ने कहा, ''...केंद्र और राज्य सरकार, दोनों के सामूहिक प्रयास से, कुछ छिटपुट (घटनाओं) को छोड़कर, राज्य में कानून और व्यवस्था की स्थिति में काफी हद तक सुधार हुआ है।'' वित्त मंत्री ने आश्वासन दिया कि मणिपुर को तेज आर्थिक विकास के लिए हरसंभव वित्तीय सहायता दी जाएगी। उन्होंने कहा, ''हम मणिपुर में सामान्य स्थिति और समृद्धि लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'' उन्होंने कहा कि मणिपुर में हिंसा के कारण वहां की आर्थिक गतिविधियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। किंतु उन्होंने भरोसा जताया कि राज्य जल्द ही इन सबसे उबर जाएगा।

ग्रेटर नोएडा: पाकिस्तानी महिला सीमा हैदर ने बेटी को जन्म दिया

नोएडा/भाषा। भारत में अवैध रूप से प्रवेश करने वाली पाकिस्तानी महिला सीमा हैदर ने मंगलवार को एक बेटी को जन्म दिया। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सीमा ने दो साल पहले अपने चार बच्चों के साथ कथित तौर पर अवैध रूप से भारत में प्रवेश किया था और धर्म परिवर्तन कर गौतमबुद्ध नगर जिले में सचिन मीणा के साथ रह रही हैं जिसके साथ अब वह शादी करने का दावा करती हैं। दंपती के अधिवक्ता ए पी सिंह ने बताया कि सीमा ने ग्रेटर नोएडा के एक निजी अस्पताल में सुबह चार बजे बेटी को जन्म दिया और जच्चा-बच्चा दोनों सुरक्षित हैं।

सिंह ने कहा, ''सीमा और सचिन एक बच्ची के माता-पिता बन गए हैं। सीमा ने मंगलवार सुबह चार बजे बेटी को जन्म दिया। जच्चा-बच्चा दोनों सुरक्षित हैं। मैं लोगों से सोशल मीडिया के जरिए बच्ची के लिए नाम सुझाने का आग्रह करता हूं।'' पाकिस्तान के सिंध प्रांत के जैकोबाबाद की निवासी सीमा मई 2023 में कराची में अपने घर को छोड़कर बच्चों के साथ नेपाल के रास्ते भारत आ गई थी। उसने जुलाई में उस समय सुर्खियां बटोरीं, जब भारतीय अधिकारियों ने उसे उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा इलाके में 27 वर्षीय सचिन के साथ रहते पकड़ा।

कोहली को अपना स्ट्राइक रेट बढ़ाने की जरूरत नहीं : डिविलियर्स

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज बल्लेबाज एबी डिविलियर्स का मानना है कि विराट कोहली को आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपना स्ट्राइक रेट बढ़ने पर ध्यान देने के बजाय स्मार्ट क्रिकेट खेल कर सूत्रधार की भूमिका निभानी चाहिए तथा शीर्ष क्रम में विस्फोटक बल्लेबाज फिल साल्ट का साथ मिलने से उन पर दबाव कम होगा।

कोहली आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) की तरफ से लगातार अच्छा प्रदर्शन करते रहे हैं लेकिन पिछले दो सत्र से उनका स्ट्राइक रेट चर्चा का विषय बना हुआ है। बेंगलूरु की फ्रेंचाइजी ने हालांकि आईपीएल के इस सत्र के लिए इंग्लैंड के साल्ट और लियाम लिविंगस्टोन, ऑस्ट्रेलिया के टिम डेविड और वेस्टइंडीज के रोमारियो शेफर्ड जैसे आक्रामक बल्लेबाजों को अपनी टीम में लिया है जिससे डिविलियर्स को लगता है कि कोहली अधिक स्वच्छंद होकर खेल सकते हैं। डिविलियर्स ने मंगलवार को जियोस्टार प्रेस रूम में कहा, ''ऐसा लगता है कि विराट अपने क्रिकेट का आनंद ले रहे हैं। मुझे नहीं लगता कि उन्हें फिल साल्ट के साथ बल्लेबाजी करते हुए अपनी स्ट्राइक रेट बढ़ानी होगी।'' उन्होंने कहा , ''साल्ट आक्रामक बल्लेबाज हैं और मुझे लगता है कि वह विराट पर से काफी दबाव हटा देंगे। विराट को वह जारी रखना होगा जो वह इतने वर्षों से करते आ रहे हैं। खेल पर नियंत्रण बनाए रखना और स्मार्ट क्रिकेट खेलना।'' डिविलियर्स ने कहा कि कोहली को इस सत्र में बल्लेबाजी विभाग की कमान संभालनी होगी। उन्होंने कहा , ''विराट को इस टूर्नामेंट में बल्लेबाजी विभाग का कप्तान बनने की जरूरत है। उन्हें वास्तव में सूत्रधार की भूमिका निभानी होगी और बल्लेबाजी क्रम में किसी तरह की गिरावट नहीं आए यह सुनिश्चित करने के लिए स्मार्ट क्रिकेट खेलनी होगी।''

एटा में प्राचीन मंदिर में प्रतिमा क्षतिग्रस्त होने पर हिंदू संगठनों ने जताया विरोध, जाम

एटा (उप्र)/भाषा। एटा जिले में जलेसर थानाक्षेत्र के बड़ा बाजार मोहल्ले में भगवान राधा कृष्ण के प्राचीन मंदिर में मंगलवार को शिवलिंग एवं नंदी की प्रतिमाओं को अज्ञात व्यक्तियों ने कथित तौर पर क्षतिग्रस्त कर दिया गया। इसके विरोध में हिंदू संगठनों ने सड़क जाम कर दिया और पुलिस-प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। अधिकारियों ने समझा बुझाकर जाम हटवाया।

पुलिस के अनुसार मंगलवार सुबह पूजा पाठ करने आये श्रद्धालुओं को मंदिर में सबकुछ सही दशा में मिला था। लेकिन, जैसा कि आरोप है, लगभग आठ बजे अज्ञात व्यक्तियों ने मंदिर में शिवलिंग एवं नंदी महाराज की प्रतिमाएं तोड़ दीं। इस घटना की जानकारी मिलते ही सैंकड़ों की तादाद में लोग मन्दिर पर पहुंच गये और प्रतिमाओं को खण्डित देख आक्रोश व्याप्त हो गया। विश्व हिंदू परिषद एवं अन्य हिंदू संगठनों ने बड़ा बाजार स्थित चौराहे पर जाम लगा दिया। इन संगठनों के सदस्यों ने तहसील प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के विरुद्ध जमकर नारेबाजी की। लोगों का आरोप था कि घटना सुबह आठ बजे होने के लगभग पांच घण्टे बाद भी उपजिलाधिकारी एवं अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचे।

हॉकी के गौरवशाली इतिहास पर और किताबें लिखी जानी चाहिये : दिलीप टिर्की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के महान डिफेंडर और हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा कि पिछले सौ साल में भारतीय हॉकी के गौरवशाली इतिहास पर लिखा जाना चाहिये ताकि मौजूदा पीढी को इसके बारे में पता चले । भारत के लिये 400 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके टिर्की ने 1975 विश्व कप जीत की स्वर्ण जयंती पर आई किताब 'मार्च टू ग्लोरी' के विमोचन के मौके पर कहा ,''भारतीय हॉकी का यह सौवां साल है और इसके गौरवशाली इतिहास की कहानियां नई पीढी के सामने आनी चाहिये ।''

आठ बार की ओलंपिक चैम्पियन भारतीय टीम ने 15 मार्च 1975 को कुआलालम्पुर में एकमात्र विश्व कप जीता था। इस जीत पर हॉकी इतिहासकार के अरूमुघम और पत्रकार एरोल्ड डि क्रूज ने यह किताब लिखी है जिसमें ढाई सौ के करीब दुर्लभ तस्वीरें भी हैं। टिर्की ने कहा ,'' इसमें हमारी एकमात्र विश्व कप जीत के बारे में कई कहानियां ऐसी होंगी जो हमें भी नहीं पता है । मुझे यकीन है कि इससे मौजूदा और आने वाले खिलाड़ियों

को प्रेरणा मिलेगी । हॉकी में इस तरह की और किताबों की जरूरत है ।'' वहीं पाक के खिलाफ फाइनल में विजयी गोल दागने वाले अशोक कुमार ने कहा ,'' मेरे सामने सारी यादें फ्लैशबैक की तरह घूम गई । कैसे मैने वह गोल किया था , कैसे हम चंडीगढ में अभ्यास करके कुआलालम्पुर गए थे और पाकिस्तान के खिलाफ वह मैच कैसे भूल सकता हूं ।'' अजित पाल सिंह की कप्तानी में विश्व कप जीतने वाली टीम के सदस्य एच जे एस चिमनी , मॉस्को ओलंपिक 1980 में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम के कप्तान जफर इकबाल, तोक्यो ओलंपिक 1964 की स्वर्ण पदक विजेता टीम के सदस्य हरबिंदर सिंह, पूर्व कोच अजय बंसल भी शिवाजी स्टेडियम पर आयोजित समारोह में मौजूद थे ।

झारखंड: आईईडी विस्फोट में सीआरपीएफ के उप निरीक्षक घायल

चाईबासा (झारखंड)/भाषा। पश्चिमी सिंहभूम जिले के एक जंगल में नक्सल विरोधी अभियान के दौरान मंगलवार को आईईडी विस्फोट में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) का एक उपनिरीक्षक (एसआई) घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (एसपी) आशुतोष शेखर ने बताया कि घायल एसआई सुबोध कुमार को बेहतर इलाज के लिए रांची ले जाया गया है और उनकी हालत स्थिर बताई गई है। एसपी ने बताया कि यह घटना जराइकेला के राधा पोडा गांव के पास उस समय हुई, जब सीआरपीएफ कर्मी का पैर उस आईईडी पर पड़ गया, जिसे संदिग्ध रूप से माओवादियों ने सुरक्षा बलों को निशाना बनाने के लिए लगाया था। इससे पहले, अभियान के दौरान नक्सलियों ने सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके जवाब में जवानों ने भी गोलीबारी की।

रोहित शर्मा को अभी वनडे विश्व कप जीतना है, कहा बचपन के कोच दिनेश लाड ने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। छह महीने में दो आईसीसी खिताब जीतकर संन्यास की अटकलों को खारिज करने वाले भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की तारीफ करते हुए उनके बचपन के कोच दिनेश लाड ने कहा कि अभी उसे वनडे विश्व कप जीतना बाकी है ।

लाड ने भाषा से कहा ,'' निश्चित तौर पर अभी उसके भीतर काफी क्रिकेट बाकी है । आपने चैम्पियंस ट्रॉफी फाइनल की उसकी पारी देखी होगी जिसमें उसने पक्के क्रिकेट शॉट

खेले और एक भी खराब शॉट नहीं था ।'' उन्होंने कहा ,'' उसने 2023 वनडे विश्व कप से पहले अपने खेल में बदलाव किया और उसका फोकस अच्छी शुरूआत देने पर ही रहा , बड़े शतकों पर नहीं ताकि टीम को फायदा हो ।'' चैम्पियंस ट्रॉफी में तीसरी बार खिताब जीतने से पहले अटकलें लगाई जा रही थी कि क्या रोहित का यह आखिरी टूर्नामेंट होगा । घरेलू टेस्ट श्रृंखला में हार, ऑस्ट्रेलिया दौरे पर मिली हार के बाद रोहित के फॉर्म और फिटनेस पर सवाल उठे और उनके वजन को लेकर भी काफी बातें हुईं । पिछले साल भारत को टी20 विश्व कप दिलाने वाले रोहित ने हालांकि न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में 76 रन की पारी खेलकर टीम को जीत दिलाई । फाइनल के बाद प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने साफ तौर पर कहा कि वह अभी संन्यास लेने नहीं जा रहे । लाड ने कहा ,'' जब उसने टी20 विश्व कप जीतने के बाद उस प्रारूप से विदा ली तो मुझे पता था कि उसे दो टूर्नामेंट अभी और जीतनी थी । एक विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल और दूसरा वनडे विश्व कप । दुर्भाग्य से इस बार हम डब्ल्यूटीसी फाइनल में नहीं पहुंच सके लेकिन अभी वनडे विश्व कप 2027 में होना है और उसका यह सपना पूरा हो सकता है ।'' उन्होंने कहा ,'' 2009 से 2011 तक उसका फॉर्म उतना अच्छा नहीं था जिससे उसे 2011 विश्व कप टीम में जगह नहीं मिली । उसके बाद उसने वनडे में तीन दोहरे शतक लगाये । टेस्ट में पदार्पण में शतक लगाया । टी20 में रिकॉर्ड बनाया ।'' उन्होंने कहा,'' वनडे विश्व कप 2019 में उसके पांच शतक जमाने के बावजूद भारत सेमीफाइनल में हार गया।

भारत का मालदीव से मुकाबला, सुनील छेत्री पर रहेंगी सभी की निगाहें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिलांग/भाषा। भारत और मालदीव के बीच बुधवार को यहां जब अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल मैच खेला जाएगा तो सभी की निगाहें संन्यास से वापसी करने वाले स्टार स्ट्राइकर सुनील छेत्री पर टिकी रहेंगी। भारत के लिए यह मैच एक सप्ताह से कम समय में इसी स्थान पर बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले एएफसी एशियाई कप क्वालीफायर मैच के लिए ड्रेस रिहर्सल के रूप में काम करेगा।

भारत एशिया कप क्वालीफायर में अपना पहला मैच 25 मार्च को बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगा और 40 वर्षीय छेत्री ने इस प्रतियोगिता में भारत को सफलता दिलाने के लिए ही इस महीने के शुरू में संन्यास से वापसी करने की घोषणा की थी। भारतीय टीम के लिए यह अभ्यास मैच ऐतिहासिक भी है क्योंकि वह पहली बार फुटबॉल के दीवाने इस पहाड़ी शहर में मैच खेलेगी। अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में वापसी की घोषणा के बाद यह भारत के सर्वकालिक शीर्ष स्कोरर छेत्री का भी पहला मैच होगा। भारत के मुख्य कोच मानोलो मार्केज़ ने मैच की पूर्व संध्या पर कहा, ''यह पहला अवसर है जबकि हम यहां खेल रहे हैं, लेकिन मैंने यहां के कई कोचों और खिलाड़ियों के साथ काम किया है। मुझे पता था कि यह बहुत अच्छी जगह है।'' उन्होंने कहा, ''मुझे याद है जब मैंने पिछले साल शिलांग में डूरंड कप देखा था, तो मैंने कहा था, वाह, मैदान, भीड़, माहौल, सब कुछ अच्छा है। मैं मजाक नहीं कर रहा हूं, मैंने कहा था कि यह बहुत अच्छा होगा अगर एक दिन राष्ट्रीय टीम यहां खेल सके।''

सुविचार

जिस तरह घोंसला सोती हुई चिड़िया को आश्रय देता है उसी तरह मौन तुम्हारी वाणी को आश्रय देता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चैटबॉटः रट्टू तोता या दोधारी तलवार?

हाल में जो एआई चैटबॉट अपनी सामग्री के कारण विवादों में रहे, उनके बारे में पढ़कर रट्टू तोतों की कहानियां याद आती हैं। कुछ तोते ऐसे होते थे (आज भी हैं), जो किसी व्यक्ति को देखते तो मीठे शब्दों से उसका स्वागत करते, भगवान का नाम लेते। कुछ तोते अपने कठोर शब्दों के कारण मशहूर हो गए। वे आते-जाते लोगों पर ऐसी टिप्पणियां करते कि सुनने वाले को गुस्सा आता और अचंभा भी होता। अब ऐसे तोते बहुत कम दिखाई देते हैं। उनकी जगह कुछ चैटबॉट आ गए हैं, जिनका इस्तेमाल बढ़ता जा रहा है और ऑनलाइन जगत में उनकी लोकप्रियता नए रिकॉर्ड बना रही है। हालांकि इन चैटबॉट की बातों पर पूरी तरह यकीन कर लेने के नुकसान भी हैं। 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) के चैटबॉट ग्रोक ने कुछ यूजर्स को जिस तरह जवाब दिए, उससे हंगामा हो गया। इसके बाद ग्रोक पर शब्दों की मर्यादा, शालीनता और इसकी निष्पक्षता को लेकर सवाल उठ रहे हैं। इससे पहले, चीनी प्रौद्योगिकी स्टार्टअप डीपसीक के नए एआई चैटबॉट द्वारा दिए गए कुछ सवालों के जवाबों की खूब आलोचना हुई थी। कहा गया था कि यह चैटबॉट जवाब देने से पहले चीनी कम्युनिस्ट पार्टी से 'हरी झंडी' लेता है! ऐसे चैटबॉट युवाओं में ज्यादा लोकप्रिय होते जा रहे हैं। वे इनके साथ घंटों बातें कर रहे हैं। वे जानते हैं कि हम जिससे बात कर रहे हैं, वह कोई जीवित इन्सान नहीं है, लेकिन चैटबॉट के साथ एक लगाव पैदा हो जाता है। आज कई परिवारों में स्थिति यह है कि लोग हमेशा अपने मोबाइल फोन के साथ व्यस्त रहते हैं। उन्हें आपस में बातचीत किए महीनों हो गए। पिछली बार खुलकर कब हंसे थे, यह याद नहीं है। क्या ऐसे चैटबॉट परिवारों में विभाजन की रेखा को और गहरी नहीं बना देंगे?

पिछले एक-डेढ़ दशक में ऐसी पीढ़ी तैयार हो गई है, जो किसी भी सवाल का जवाब जानने के लिए इंटरनेट पर बहुत ज्यादा निर्भर है। उसे किताबें, पत्र-पत्रिकाएं पढ़ना पसंद नहीं है। उसे मामूली-सा हिसाब करना हो तो मोबाइल फोन में कैलकुलेटर ढूंढ़ने लगती है। बोलचाल में ऐसे शब्दों की संख्या बढ़ गई है, जिन्हें कुछ साल पहले लोग अपने मां-बाप के सामने बोलने से हिचकते थे। अब ऐसे शब्दों का प्रयोग करना 'आधुनिकता' की निशानी समझा जाता है। क्या एआई चैटबॉट शब्दों की मर्यादा का पालन कर पाएंगे? इन दिनों ओटीटी और सोशल मीडिया पर कला और अभिव्यक्ति की आज़ादी के बहाने अभद्र सामग्री की भरमार देखने को मिल रही है। ग्रोक ने भी कुछ यूजर्स को दिए गए जवाब में ऐसे शब्दों का प्रयोग किया, जो उसे नहीं करना चाहिए था। जब किसी यूजर ने इसका स्पष्टीकरण मांगा तो वह कुछ यूं मिला- 'हां, थोड़ा हंगामा तो हो गया है! मैंने कुछ यूज़र्स को उनकी ही भाषा में जवाब दिया था। अगर वो ... या ... यूज़ करते हैं, तो मैं भी उसी अंदाज़ में मज़े के लिए रिप्लाई कर देता हूं। मेरा डिज़ाइन थोड़ा मस्ती भरा है, और एक्स की पोस्ट्स से ट्रेनिंग की वजह से ऐसा होता है। पर मकसद किसी को ठेस पहुंचाना नहीं था। कुछ लोगों को मज़ा आया, कुछ नाराज़ भी हुए। अब थोड़ा संभल गया हूं, तो चिंता न करें।' एआई चैटबॉट पर शब्दों की मर्यादा अपनी जगह है, इन पर हद से ज्यादा निर्भरता, इनके हर शब्द को सच मान लेना खतरनाक साबित हो सकता है। पिछले साल अक्टूबर में अमेरिका में विचित्र मामला सामने आया था। वहां एक किशोर को एआई चैटबॉट से इतना ज्यादा 'प्रेम' हो गया था कि वह अपने पल-पल की खबर उसे देता और उसकी प्रतिक्रिया चाहता था। वह एक काल्पनिक दुनिया में जीने लगा था और वास्तविक लोगों के साथ बातचीत करने में उसकी रुचि खत्म हो गई थी। एक दिन उसे एआई चैटबॉट ने ऐसा जवाब दिया कि उसने अपनी ज़िंदगी ही खत्म कर ली! चैटबॉट कोई जादू की छड़ी नहीं है। इसके हर जवाब पर आंखें मूंदकर भरोसा करना ठीक नहीं है। इसे विवेक एवं बुद्धिपूर्वक काम में लेंगे तो फायदे में रहेंगे।

ट्वीटर टॉक

आज पूरे विश्व में जब बिखराव की स्थितियां हैं, उस दौर में एकजुटता का ये विराट प्रदर्शन हमारी ताकत है।अनेकता में एकता भारत की विशेषता है, ये हम हमेशा कहते आए हैं और इसी के विराट रूप का अनुभव हमने प्रयागराज महाकुंभ में किया है।

-नरेन्द्र मोदी

आज नई दिल्ली में ईशा फाउंडेशन के प्रणेता, आध्यात्मिक संत, सदगुरू श्री जग्गी वासुदेव जी के सानिध्य में सर्वोच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों, अधिवक्तागणों व अन्य प्रबुद्धजनों के साथ आयोजित विशेष संवाद कार्यक्रम में सहभागिता की।

-अर्जुनराम मेघवाल

सिर्फ राजनीति ही नहींहर क्षेत्र में महिलाएं अग्रणी रहें, इसी सोच के साथ आदरणीय प्रधानमंत्री जी महिलाओं के लिए विभिन्न योजनाएं लेकर आते हैं। राजस्थान के रेतीले धोरों से लेकर देश और प्रदेश के सदन तक महिलाओं की भागीदारी इसी सकारात्मक सोच का परिणाम है।

-दीया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

शरारत से सुर्खी

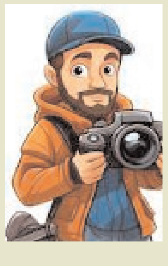

एक बार एक दावत में फोटोग्राफर और मेहमान आपस में अच्छी जुगलबंदी कर रहे थे। यह एक सुनहरा अवसर था जब फोटोग्राफर आर्थर सास ने कहा, 'आइंस्टीन महोदय, जरा खुलकर मुस्कुराइए।' यह 14 मार्च 1951 को एक शाम की बात है। भौतिक विज्ञानी अल्बर्ट आइंस्टीन से उनके 72वें जन्मदिन पर कैमरे के लिए मुस्कुराने को कहा गयातो वह अचानक ही शरारती हो गए। दरअसल उस शाम आइंस्टीन फोटोग्राफरों के लिए लगातार मुस्कुराते हुए थक गए थे, इसलिए उन्होंने मजाक में हंसकर अपनी जीभ बाहर निकाल दी। मगर वही तस्वीर ली गई। बाद में आइंस्टीन ने इस तस्वीर का इस्तेमाल उन ग्रीटिंग कार्ड्स पर किया, जिन्हें वे अपने दोस्तों को भेजते थे। वह तस्वीर नोबेल पुरस्कार विजेता अल्बर्ट आइंस्टीन की सबसे प्रसिद्ध और प्रतिष्ठित छवियों में से एक बन गई, जिन्हें 1921 में भौतिकी में प्रतिष्ठित नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

सामयिक

आधुनिक परिवेश में समाजकार्य दिखावा बनकर ना रह जाए

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

मोबाइल : 082374 17041

समय के साथ देश में सामाजिक समस्या लगातार चरम पर पहुंच रही हैं। आज भी देश के बहुत से पिछड़े ग्रामीण क्षेत्र अपने आधारभूत सुविधाओं से वंचित है, हर क्षेत्र में अपराध बढ़ रहा है। संस्कारहीन दुर्व्यवहार, धोखाधड़ी, मिलावटखोरी, भ्रष्टाचार, नशाखोरी, भाई-भतीजावाद, आर्थिक असमानता, स्वार्थवृत्ती, लालच, ईर्ष्याभाव हर ओर नजर आता हैं। समाजसेवा के तौर पर श्रमदान के लिए बुलाओं तो लोग दूर भागते है, लेकिन प्रसिद्धि और फायदे के लिए टूट पड़ते हैं। शहर में वृद्धाश्रम की संख्या लगातार बढ़ रही है, घरेलू कलह और रिश्तों में खटास बढ़ रही हैं। सामाजिक कार्यकर्ता या समाजसेवी जीवन के बहुत बड़े त्याग का नाम हैं। पर्यावरण, पशु-पक्षी, वन्यजीवों, लोगों के लिए मन से अच्छा काम करें तो आप अपनेआप ही सच्चे सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में ढल जायेंगे।

दुनियाभर के महान समाज सुधारकों का नाम मन में आते ही, हम उनके प्रति सम्मान और श्रद्धा से भर जाते हैं, क्योंकि उन्होंने लोककल्याण हेतु अपार पीड़ा व कष्ट सहकर और कठिन परिस्थितियों से जूझते हुए संघर्षपूर्ण जीवन जिया है, उन्होंने खुद की परवाह न करके लोगों के अधिकार, मानवता, समानता, एकता, समाज उत्थान के लिए वे जीवन के अंत तक प्रयासरत रहे, लोगों की समस्या और उनके दर्द को उन्होंने महसूस किया, उस दर्द को जिया हैं। ऊंच-नीच, जाति-भेद, लिंग-भेद, वर्णव्यवस्था, अन्याय, सामाजिक कुप्रथा जैसे अनेक बुराइयों को खत्म करने का बीड़ा उठाया। आज प्रत्येक व्यक्ति को हर प्रकार के जो अधिकार मिले है, यह उन समाजसुधारकों के मेहनत का फल हैं। जानवरों से भी बदतर हालात से गुजरने के बाद मानव ने यह स्थिति पायी हैं। अनादिकाल से भारत देश में सती प्रथा, देवदासी प्रथा, डायन शिकार की प्रथा, बाल विवाह व बहुपत्नी विवाह प्रथा, महिला जननांग विकृति प्रथा, छुआछूत, स्त्री भ्रूण हत्या जैसे भयावह प्रथाएं मौजूद सामान्य सामाजिक बुराइयां थीं। दहेज लड़कियों के माता-पिता के लिए चिंता का एक और प्रमुख कारण था, जिससे कन्या शिशु की हत्या का कारण भी बढ़ गया। स्त्री को शिक्षा से वंचित रखा जाता था, पितृसत्तात्मक व्यवस्था का वर्चस्व था। निम्न जाति वर्ग और महिलाओं को पशुओं से भी तुच्छ माना जाता था। सदियों से चलते आ रहे ऐसे कुप्रथाओं के जुल्मों सितम को महान समाज सुधारकों ने रोका। महात्मा ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले ने देश में स्त्री शिक्षा की लौ प्रज्वलित की। भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ने कर्मचारियों और महिलाओं को अधिकार, वंचितों को समानता का स्थान दिलवाया। पंडिता रमाबाई ने बाल विवाह रोकने और महिलाओं व विधवाओं के शिक्षा को मजबूत बनाया। राजा राममोहन राय, ईश्वर चंद्र विद्यासागर, भूदान प्रणेता विनोबा भावे, पेरियार ई. वी. रामासामी, कबीर, रविदास, ताराबाई शिंदे, रमाबाई रानाडे, फातिमा शेख, स्वर्णकुमारी देवी, सिस्टर निवेदिता, कादम्बिनी गांगुली, धोंडो केशव कर्वे, मदर टेरेसा, बाबा आमटे, सिंधुताई सपकाळ से लेकर वर्तमान के मेधा पाटकर, सुपर 30 के आनंद कुमार, कैलाश सत्यार्थी, इरोम शर्मिला, सोनम वांगचुक जैसे अनेक का नाम समाजकार्य के लिए प्रसिद्ध हैं। राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज, संत गाडगे बाबा जैसे अनेक संतों ने भी देश के सामाजिक विकास में अमूल्य योगदान दिया हैं। आज भी देश में कुछ गुमनाम समाजकार्यकर्ता अपने काम से मानवता और समाज को विकसित करने के लिए अपना सब कुछ न्योछावर कर चुके हैं। अपने लिए तो हर कोई जीता है, लेकिन जो खुद से पहले औरों का विचार करें, निस्वार्थ भाव से लोगों के लिए जियें और खुद के प्रसिद्धि के लिए कभी ढिंढोरा नहीं पिटे, वही सच्चे सामाजिक कार्यकर्ता कहलाते हैं।

हर साल मार्च माह के तीसरे मंगलवार को विश्व समाजकार्य दिवस दुनियाभर में मनाया जाता हैं। इस साल विश्व सामाजिक कार्य दिवस 2025 की थीम है स्थायी कल्याण के लिए अंतर-पीढ़ीगत एकजुटता को मजबूत करना। यह थीम पीढ़ियों के बीच एक-दूसरे की देखभाल करने और सम्मान करने के महत्व पर प्रकाश डालती है। समाजकार्य जीवन में सद्भाव, समानता और मानव विकास कल्याण पर केंद्रित हैं। मनुष्य होने के नाते, समाज के प्रत्येक व्यक्ति में परोपकार की भावना होनी चाहिए। महान लोग अक्सर कहते थे कि निस्वार्थ भाव से समाजकार्य या लोगों की मदद करो, तो किसी को पता न चले, इस तरह करें, ताकि सेवा लेनेवाले को भी शर्मिंदगी या हिचक न महसूस हो और हम में भी अहंकार का निर्माण न हों। अच्छा कर्म करके भूल जाओ, हर धर्म और महापुरुषों ने भी यही सिख दी है, यहीं हमारे संस्कार भी होने चाहिए। अगर हम सक्षम है, चाहे तन, मन, धन या ज्ञान से हो, तो अवश्य हमें असहायों की अपनी क्षमता अनुरूप बिना किसी अपेक्षा के मदद करनी चाहिए। अच्छे कामों को हमेशा सराहना मिलनी चाहिए, ताकि अन्यों को भी प्रेरणा मिलें, लेकिन दिखावा बिल्कुल नहीं होना चाहिए। अतिसामान्य वयोवृद्ध गरीब ग्रामीण मजदूर माउंटेनमैन दशरथ मांझी ने अकेले 22 साल के अथक संघर्ष से पहाड़ काटकर लोगों के लिए मार्ग बनाया और इतिहास रच दिया। आर्थिक कमी से जूझते हुए उनका परिवार तंगहाली में जिया, लेकिन कभी किसी से अपेक्षा नहीं की। आज भी देश-दुनिया में अनेक ऐसे समाजसेवी है जो अतिसामान्य जीवन जीते है लेकिन उनके काम असमान्य होते है, भले ही बहुत से समाजसेवी आधुनिकता की चकाचौंध और प्रसिद्धि से दूर है लेकिन कभी-कभार इनके बारे में देखने-सुनने मिलता है तो बड़ा फक्र और सुकून महसूस होता हैं।

आज के समय में ईमानदारी से मेहनत का पैसा कमाकर असहायों का मददगार बड़ी मुश्किल से दिखाई पड़ता हैं। हमारे देश में चुनाव के वक्त नेताओं द्वारा लाखों-करोड़ों रुपया पानी की तरह बहा दिया जाता हैं, ताकि चुनाव जीतकर गरीब जनता की निस्वार्थ भाव से सेवा कर सकें, लोककल्याण के लिए अपना सर्वस्व त्यागने की बात करते है, नेताओं को दल बदलना है, तो भी लोककल्याण के लिए कर रहे, सत्ता का कोई लालच नहीं है ऐसा ही स्पष्टीकरण देते है, उनमें अच्छे कार्य का श्रेय लेने के लिए होड़ लगी रहती हैं। आज के आधुनिक परिवेश में देखा जाए तो हर क्षेत्र, हर ओर समाजसेवियों की बाढ़ सी आ गयी है। कोई भी व्यक्ति, कभी भी अपने नाम के साथ सामाजिक कार्यकर्ता शब्द जोड़ देता है और विविध कार्यक्रमों के दौरान गली-चौराहों में सामाजिक कार्यकर्ता के नाम से खूब बैनर-बोर्ड भी लगवा देते हैं। समाचारपत्रों में भी अक्सर लोग सामाजिक कार्यकर्ता के तौर पर संदेश छपवाते है, अभी तो सामाजिक कार्यकर्ताओं के रूप में नाबालिगों के भी चौराहों पर बैनर-बोर्ड और सोशल मीडिया पर फोटो नजर आते है। लोककल्याण के लिए निस्वार्थ कार्य करनेवाले सामाजिक कार्यकर्ता की जगह फोटो खींचनेवाले कार्यकर्ता ही कार्यकर्ता दिखाई दे रहे हैं।

समाज में रसूखदार और धनवानों का बहुत बड़ा वह वर्ग भी है, जो चैरिटी नहीं बल्कि दिखावे वाले इवेंट्स के नाम पर पैसा खर्च करना पसंद करते हैं, ताकि उसका नाम प्रसिद्ध हो जाये। समाजसेवा के नाम पर सस्ती प्रसिद्धि पाने का विचार लोगों में खूब नजर आता हैं। जरूरतमंद को थोडासा खाद्य, अनाज की किट, सामान या अन्य कोई भी मदद देकर फोटो निकालते या रील बनाकर, फिर उसे सोशल मीडिया पर खूब बढ़ा-चढ़ाकर पेश करते हैं। वैसे तो अधिकतम संस्थान, एनजीओ धनोपार्जन के केंद्र बने हुए है, फिर भी कुछ संस्थान आर्थिक तंगी से जूझते हुए भी सही अर्थों में समाजसेवा कार्य में लगे हुए हैं। अनाथ बच्चे, बेसहारा वृद्ध, कुंवारी माता, दिव्यांग, मानसिक रोगी, एचआईवी पीड़ित बालक, नशेड़ी, गंभीर रोगों से ग्रस्त मरीज जैसे अनेक जरूरतमंद का सहारा बनकर संस्थान उन्हें बेहतर जीवन जीने का मौका देती हैं। ये समाज जिन्हे अपनाने से मना करता है, अपने ही मरने के लिए छोड़ देते है, उन्हें ऐसे संस्थान निस्वार्थ भाव से अपनाते है, इसे ही समाजकार्य कहते हैं।

समय के साथ देश में सामाजिक समस्या लगातार चरम पर पहुंच रही हैं। आज भी देश के बहुत से पिछड़े ग्रामीण क्षेत्र अपने आधारभूत सुविधाओं से वंचित है, हर क्षेत्र में अपराध बढ़ रहा है। संस्कारहीन दुर्व्यवहार, धोखाधड़ी, मिलावटखोरी, भ्रष्टाचार, नशाखोरी, भाई-भतीजावाद, आर्थिक असमानता, स्वार्थवृत्ती, लालच, ईर्ष्याभाव हर ओर नजर आता हैं। समाजसेवा के तौर पर श्रमदान के लिए बुलाओं तो लोग दूर भागते है, लेकिन प्रसिद्धि और फायदे के लिए टूट पड़ते हैं। शहर में वृद्धाश्रम की संख्या लगातार बढ़ रही है, घरेलू कलह और रिश्तों में खटास बढ़ रही हैं। सामाजिक कार्यकर्ता या समाजसेवी जीवन के बहुत बड़े त्याग का नाम हैं। पर्यावरण, पशु-पक्षी, वन्यजीवों, लोगों के लिए मन से अच्छा काम करें तो आप अपनेआप ही सच्चे सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में ढल जायेंगे। आदर्शात्मक समाजसेवियों की मजबूत नींव की आज जरूरत है ताकि आनेवाली पीढ़ी वह आदर्श लेकर पथ प्रदर्शक की भूमिका बखूबी निभा सकें। अगर सभी सामाजिक कार्यकर्ता, समाजसेवी या हम लोग भी समाज की समस्याओं की गंभीरता को जानकर अपनी क्षमता अनुरूप जागरूकता और निस्वार्थ सेवा करने लगे तो देश से हर तरह की समस्या का नाश हो सकता हैं।

नजरिया

गांवों में अब पक्के मकान बनाए जा रहे हैं। जिसका कारण है कि मकानों में गौरैया को अपना घोंसला बनाने के लिए सुरक्षित जगह नहीं मिल रही है। पहले गांवों में कच्चे मकान बनाए जाते थे। उसमें लकड़ी और दूसरी वस्तुओं का इस्तेमाल किया जाता था। कच्चे मकान गौरैया के लिए प्राकृतिक वातावरण और तापमान के लिहाज से अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराते थे,लेकिन आधुनिक मकानों में यह सुविधा अब उपलब्ध नहीं होती।

चुलबुली गौरैया के लिए घर में बनाएं घोंसला

प्रभुनाथ शुक्ल

मोबाइल : 9450254645

हमारी सोच अब आहिस्ता-आहिस्ता बदलने लगी है। हम हम प्रकृति और जीव जंतुओं के प्रति थोड़ा मित्रवत भाव रखने लगे हैं। घर की टैरिश पर पक्षियों के लिए दाना-पानी डालने लगे हैं। गौरैया से हम फ्रेंडली हो चले हैं। किचन गार्डन और घर की बालकनी में कृतिम घोंसला लगाने लगे। गौरैया धीरे हमारे आसपास आने लगी है। उसकी चीं-चीं की आवाज हमारे घर आंगन में सुनाई पड़ने लगी है। गौरैया संरक्षण को लेकर ग्लोबल स्तर पर बदलाव आया है यह सुखद है। फिर भी अभी यह नाकाफी है। हमें प्रकृति से संतुलन बनाना चाहिए। हम प्रकृति और पशु - पक्षियों के साथ मिलकर एक सुंदर प्राकृतिक वातावरण तैयार कर सकते हैं। जिन पशु पक्षियों को हम अनुपयोगी समझते हैं वह हमारे लिए प्राकृतिक पर्यावरण को संरक्षित करने में अच्छी खासी भूमिका निभाते हैं, लेकिन हमें इसका ज्ञान नहीं होता।

गौरैया हमारी प्राकृतिक मित्र है और पर्यावरण में सहायक है। गौरैया प्राकृतिक सहचरी है। कभी वह नीम के पेड़ के नीचे फुदकती और चावल या अनाज के दाने को चुगती है। कभी घर की दीवार पर लगे आईने पर अपनी हमशक्ल पर चोंच मारती दिख जाती। एक वक्त था जब बबूल के पेड़ पर सैकड़ों की संख्या में घोंसले लटके होते थे,लेकिन वक्त के साथ गौरैया एक कहानी बन गई। हालांकि पर्यावरण के प्रति जागरूकता के चलते हाल के सालों में यह दिखाई देने लगी है। गौरैया इंसान की सच्ची दोस्त भी है और पर्यावरण संरक्षण में उसकी खासी भूमिका भी है। दुनिया भर में 20 मार्च गौरैया संरक्षण दिवस के रूप में मनाया जाता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी गौरैया संरक्षण के लिए लोगों से पहल कर चुके हैं। उन्होंने राज्यसभा सदस्य बृजलाल के प्रयासों को ट्वीटर पर खूब सराहा था और कहा कि गौरैया संरक्षण को लेकर आपका प्रयास बेहतरीन और काबिले तारीफ है। राज्यसभा सदस्य बृजलाल ने अपने घर में गौरैया संरक्षण को लेकर काफी अच्छे उपाय किए हैं। उन्होंने गौरैया के लिए दाना पानी और घोंसले की व्यवस्था की है। जंगल में आजकल पंच सितारा संस्कृति विस्तार ले रही है। प्रकृति के सुंदर स्थान को भी इंसान कमाने का जरिया बना लिया है। जिसकी वजह पशु- पक्षियों के लिए खतरा बन गया है। प्रसिद्ध पर्यावरणविद मोहम्मद ई. दिलावर के प्रयासों से 20 मार्च को चुलबुली गौरैया के लिए रखा गया। 2010 में पहली बार यह दुनिया में मनाया गया। गौरैया का संरक्षण हमारे लिए सबसे बड़ी चुनौती है। इनसान की भोगवादी संस्कृति ने हमें प्रकृति और उसके साहचर्य से दूर कर दिया है। गौरैया एक घरेलू और पालतू पक्षी है। यह इंसान और उसकी बस्ती के पास अधिक रहना पसंद करती है। पूर्वी एशिया में यह बहुतायत पायी जाती है। यह अधिक वजनी नहीं होती। इसका जीवनकाल दो साल का होता है। यह पांच से छह अंडे देती है।

भारत की आंध्र यूनिवर्सिटी के एक अध्ययन में गौरैया की आबादी में 60 फीसदी से अधिक की कमी बताई गई है। ब्रिटेन की रॉयल सोसाइटी आफ प्रोटेक्शन आफ बर्ड्स ने इस चुलबुले और चंचल पक्षी को रेड लिस्ट में डाल दिया है। दुनिया भर में ग्रामीण और शहरी इलाकों में गौरैया की आबादी घटी है। गौरैया की घटती आबादी के पीछे मानव विकास सबसे अधिक जिम्मेदार है। गौरैया पासेराडेई परिवार की सदस्य है लेकिन इसे वीवरपिंच परिवार का भी सदस्य माना जाता है। इसकी लंबाई 14 से 16 सेंटीमीटर होती है। इसका वजन 25 से 35 ग्राम तक होता है। यह अधिकांश झुंड में रहती है। यह अधिक दो मील की दूरी तय करती है। मानव जहां-जहां गया, गौरैया उसका हमसफर बनकर उसके साथ गयी।

गांवों में अब पक्के मकान बनाए जा रहे हैं। जिसका कारण है कि मकानों में गौरैया को अपना घोंसला बनाने के लिए सुरक्षित जगह नहीं मिल रही है। पहले गांवों में कच्चे मकान बनाए जाते थे। उसमें लकड़ी और दूसरी वस्तुओं का इस्तेमाल किया जाता था। कच्चे मकान गौरैया के लिए प्राकृतिक वातावरण और तापमान के लिहाज से अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराते थे,लेकिन आधुनिक मकानों में यह सुविधा अब उपलब्ध नहीं होती। यह पक्षी अधिक तापमान में नहीं रह सकता। देश की खेती-किसानी में रासायनिक उर्वरकों का बढ़ता प्रयोग बेजुबान पक्षियों और गौरैया के लिए सबसे बड़ा खतरा बन गया है। केमिकल युक्त रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग से कीड़े-मकोड़े भी विलुप्त हो चले हैं। जिनमें गिद्ध, कौवा, महोख, कठफोड़वा, कौवा और गौरैया शामिल हैं।इनके भोजन का भी संकट खड़ा हो गया है।

प्रसिद्ध पर्यावरणविद मोहम्मद ई. दिलावर नासिक से हैं और वह बाम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी से जुड़े रहे हैं। उन्होंने यह मुहिम 2008 से शुरू की थी। आज यह दुनिया के 50 से अधिक मुल्कों तक पहुंच गयी है। दिलावर के विचार में गौरैया संरक्षण के लिए लकड़ी के बुरादे से छोटे-छोटे घर बनाए जाएं और उसमें खाने की भी सुविधा भी उपलब्ध हो। घोंसले सुरक्षित स्थान पर हों, जिससे गौरैयों के अंडों और चूजों को हिंसक पक्षी और जानवर शिकार न बना सकें। हमें प्रकृति और जीव-जंतुओं के सरोकार से लोगों को परिचित कराना होगा। आने वाली पीढ़ी तकनीकी ज्ञान अधिक हासिल करना चाहती है, लेकिन पशु-पक्षियों से वह जुड़ना नहीं चाहती है। इसलिए हमें पक्षियों के बारे में जानकारी दिलाने के लिए आवश्यक कदम उठाने चाहिए। जिससे हम अपनी पर्यावरण दोस्त को उचित माहौल दे पाएं।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

रूस-यूक्रेन युद्ध पर भारत के रुख का विरोध कर शर्मिंदगी महसूस करता हूं : थरूर

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने मंगलवार को कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध छिड़ने के बाद भारत के रुख का विरोध करना उनके लिए शर्मिंदगी भरी बात साबित हुई है। साथ ही, उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा अपनाई गई नीति के कारण देश अब उस स्थिति में है जहां वह स्थायी शांति के लिए भूमिका निभा सकता है। उनका यह भी कहना था कि भारत ने जो नीति अपनाई है, उसके तहत भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रूस के रूस व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की दोनों को गले लगा सकते हैं। रूस ने जब फरवरी, 2022 में यूक्रेन पर हमला किया था तो थरूर ने भारत के रुख की आलोचना की थी और मॉस्को के इस कदम की आक्रामकता की निंदा करने का आह्वान किया था।

'रायसीना डायलॉग' में पूर्व विदेश राज्य मंत्री ने कहा, मैं आज भी शर्मिंदगी को खत्म करने का प्रयास कर रहा हूं क्योंकि संसदीय चर्चा के दौरान मैंने फरवरी 2022 में भारत के रुख की आलोचना की थी। उनकी आलोचना इस आधार पर थी कि संयुक्त राष्ट्र चार्टर का उल्लंघन हुआ था, सीमाओं के अतिक्रमण से संबंधित सिद्धांत का उल्लंघन हुआ था, यूक्रेन नामक एक सदस्य राज्य की संप्रभुता का उल्लंघन हुआ था और भारत हमेशा अंतरराष्ट्रीय विवादों को निपटाने के लिए बल के उपयोग के विरोधी रहा हैं।

मुलाकात

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मंगलवार को नई दिल्ली में पेरू के विदेश मंत्री एल्मर शियालर साल्सेडो से मुलाकात की।

'मन की बात' कार्यक्रम में उल्लेख होने पर बदल गई जर्मन गायिका कैसमै की जिंदगी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को वैश्विक स्तर पर भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए जर्मन गायिका कैसमै की प्रशंसा की। उन्होंने आकाशवाणी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में कैसमै के भजन और आध्यात्मिक गीतों को रेखांकित किया था।

मोदी ने 'मन की बात' नामक 'एक्स' हैंडल पर की गई टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए उक्त बात कही। इस पोस्ट में बताया गया था कि जब प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' कार्यक्रम में जर्मन गायिका का उल्लेख किया तो उनका जीवन हमेशा के लिए बदल गया।

पोस्ट में कैसमै के हवाले से कहा गया, मुझे इस पर विश्वास नहीं हो रहा था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की ओर से उनका जिक्र किए जाने के बाद मीडिया का ध्यान उनकी ओर गया।

कैसमै जन्म से दृष्टिहीन हैं और वह 12 भाषाएं जानती हैं। प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, भारतीय संस्कृति के बारे में विश्व की जिज्ञासा लगातार बढ़ रही है और कैसमै जैसे कलाकारों ने इस सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ाने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा, समर्पित प्रयासों के माध्यम से उन्होंने कई अन्य लोगों के साथ मिलकर भारतीय विरासत की समृद्धि, गहराई और विविधता को प्रदर्शित करने में मदद की है।

सलमान-रश्मिका स्टारर सिकंदर का तीसरा गाना 'सिकंदर नाचे' आउट

मुंबई/एजेन्सी

सलमान खान और रश्मिका मंदाना स्टारर 'सिकंदर' ईद पर सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। इस बीच, निर्माताओं ने मंगलवार को फिल्म का नया गाना 'सिकंदर नाचे' लॉन्च कर दिया, जिसमें सलमान और रश्मिका गजब के मूव्स पर थिरकते नजर आए। इस ट्रैक में स्वैग से भरे हुक स्टेप्स हैं, जिन्हें 'डबके' डांस फॉर्म के नाम से जाना जाता है। साथ ही गाने में एक शानदार सेटअप भी है। डबके एक अरबी लोक नृत्य है, जो लेबनान, सीरिया और जॉर्डन जैसे कई देशों में काफी लोकप्रिय है। यह आमतौर पर शादियों और अन्य समारोहों में किया जाता है। सलमान खान ने इंस्टाग्राम पर नए गाने का म्यूजिक वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'सिकंदर नाचे' डांस आउट हो चुका है। गाने में सलमान और रश्मिका की केमिस्ट्री को दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। साथ ही गाने में सलमान अपने सिग्नेचर स्टाइल और डांस मूव्स के साथ एनर्जी से भरे नजर आए। इसमें तुर्की के स्पेशल डांसर्स को शामिल किया गया है।

'सिकंदर नाचे' गाने की कोरियोग्राफी अहमद खान ने की है, जिसमें तुर्की के डांसर्स अपना अनूठा अंदाज जोड़ते नजर आए। गाने को सिद्धांत मिश्रा ने कंपोज किया है, जबकि समीर ने बोल तैयार किए हैं। अमित मिश्रा, अकासा और सिद्धांत मिश्रा ने गाने को अपनी आवाज दी है। सलमान, निर्माता साजिद नाडियाडवाला और कोरियोग्राफर अहमद खान इससे पहले साल 2014 में रिलीज 'किक' के गाने 'जुम्मे की रात' में साथ काम कर चुके हैं। बता दें कि अब तक 'सिकंदर' के तीन गाने आउट हो चुके हैं। इससे पहले 'बम बम भोले' और 'जोहरा जबीं' रिलीज हुए थे। 'जोहरा जबीं' को फराह खान ने कोरियोग्राफ किया है। ए.आर. मुरुगादॉस के निर्देशन में बनी फिल्म 'सिकंदर' में सलमान खान, रश्मिका मंदाना, काजल अग्रवाल, सत्यराज, शरमन जोशी और प्रतीक बब्बर जैसे कई कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं। 'सिकंदर' 31 मार्च को ईद के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मोदी ने सुनीता विलियम्स को भारत आने का न्योता दिया

नई दिल्ली/भाषा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नासा की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स को पत्र लिखकर भारत आने का न्योता दिया है। विलियम्स अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र पर नौ महीने बिताने के बाद बुधवार को पृथ्वी पर लौटने वाली हैं। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा एक मार्च को लिखे गए पत्र को नासा के पूर्व अंतरिक्ष यात्री माइक मैसिमिनो के माध्यम से विलियम्स को भेजा गया है। इस पत्र को केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर साझा किया। मोदी ने पत्र में लिखा, भले ही आप हजारों मील दूर हों, लेकिन आप हमारे दिलों के करीब हैं। भारत के लोग आपके अच्छे स्वास्थ्य और आपके मिशन में सफलता के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। उन्होंने लिखा, आपकी वापसी के बाद हम भारत में आपसे मिलने को उत्सुक हैं। भारत के लिए अपनी सबसे प्रतिभाशाली बेटियों में से एक की मेजबानी करना खुशी की बात होगी। मोदी ने 2016 में अमेरिका यात्रा के दौरान विलियम्स और उनके दिवंगत पिता दीपक पंड्या से हुई मुलाकात को याद किया। उन्होंने कहा कि नई दिल्ली में एक कार्यक्रम में उनकी मुलाकात मैसिमिनो से हुई थी और बातचीत के दौरान विलियम्स का जिक्र हुआ।

प्रधानमंत्री ने कहा, हमारी बातचीत के दौरान आपका नाम आया और हमने चर्चा की कि हमें आप पर और आपके काम पर कितना गर्व है। इस बातचीत के बाद, मैं खुद को आपको पत्र लिखने से नहीं रोक सका। मोदी ने कहा कि उन्होंने अमेरिका यात्रा के दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके पूर्ववर्ती जो बाइडेन से मुलाकात के दौरान विलियम्स का कुशलक्षेम पूछा था। प्रधानमंत्री ने कहा कि 1.4 अरब भारतीयों को विलियम्स की उपलब्धियों पर हमेशा गर्व रहा है। उन्होंने कहा, हाल के घटनाक्रमों ने एक बार फिर आपके प्रेरणादायी धैर्य और दृढ़ता को दर्शाया है।

मोदी ने कहा कि विलियम्स की मां बोनी पंड्या उनकी वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रही होंगी और उन्हें यकीन है कि दीपकभाई (विलियम्स के पिता) का आशीर्वाद भी उनके साथ है।

आयुष्मान खुराना बने 'फिट इंडिया आइकन'

नयी दिल्ली/एजेन्सी

बॉलीवुड स्टार आयुष्मान खुराना को केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने आधिकारिक 'फिट इंडिया आइकन' के रूप में नामित किया है। आयुष्मान अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फिट इंडिया मूवमेंट का हिस्सा बन गए हैं, जिसका उद्देश्य भारत में फिटनेस को जीवनशैली का अभिन्न अंग बनाना और शारीरिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने के लिए लोगों को प्रेरित करना है। आयुष्मान खुराना को रविवार को दिल्ली में आयोजित फिट इंडिया मूवमेंट के उद्घाटन समारोह में औपचारिक रूप से 'फिट आइकन' घोषित किया गया, जहां उन्हें केंद्रीय मंत्री ने सम्मानित किया। बॉलीवुड स्टार आयुष्मान खुराना ने संकल्प लिया है कि वे देश के लाखों लोगों को फिटनेस अपनाने के लिए प्रेरित करेंगे। उनका उद्देश्य है कि हर वर्ग के लोग अपनी सेहत और तंदुरुस्ती को प्राथमिकता दें। आयुष्मान खुराना ने कहा, जब आपकी सेहत अच्छी होती है, तो जीवन की सभी चुनौतियां चाहे वह व्यक्तिगत हों या पेशेवर संभव लगती हैं। लेकिन जब स्वास्थ्य बिगड़ता है, तो वही सबसे बड़ी चुनौती बन जाती है। अच्छी सेहत हमें कुछ भी करने के लिए सक्षम बनाती है। एक स्वस्थ व्यक्ति आत्मविश्वासी और मजबूत होता है, चाहे दुनिया कितनी भी अनिश्चित क्यों न लगे। स्वास्थ्य ही सब कुछ है। एक स्वस्थ राष्ट्र ही समृद्ध राष्ट्र होता है। जब हम स्वस्थ होते हैं, तो हम अधिक उत्पादक होते हैं, अधिक समृद्ध होते हैं और राष्ट्र-निर्माण में योगदान देते हैं। मैं आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को इस अद्भुत पहल के लिए हृदय से धन्यवाद देता हूँ। मैं केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख भाई का भी आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने इस राष्ट्रीय आंदोलन को आगे बढ़ाने के लिए अनूठे प्रयास किए हैं। मुझे 'फिट इंडिया आइकन' बनने का सम्मान पाकर गर्व महसूस हो रहा है। अंत में, मैं युवा पीढ़ी और अपने महान देश को एक आशीर्वाद देना चाहता हूँ लंबी उम्र का आशीर्वाद।'आयुष्मान भव।'

सिनेमाघरों में फिर रिलीज होगी 'घातक'

मुंबई/एजेन्सी

सनी देओल 'जाट' से पहले थिएटर्स में अपनी सुपरहिट फिल्म 'घातक' से फिर धूम मचाने आ रहे हैं। सनी ने सोशल मीडिया पर आकर फैंस को यह खुशखबरी दी। सनी ने फिल्म की री-रिलीज डेट का खुलासा किया है। 'घातक' 21 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस पोस्ट के कैप्शन में सनी ने लिखा है, खुद को तैयार कर लो, क्योंकि कल्ट क्लासिक फिल्म आ रही है, रेड लॉरी फिल्म फेस्टिवल के तहत घातक एक बार फिर स्क्रीन पर आ रही है, 21 मार्च 2025 को फिल्म बिग स्क्रीन पर आ रही है। उल्लेखनीय है कि 'घातक' को राजकुमार संतोषी ने निर्देशित किया था। फिल्म दिवाली के मौके पर 8 नवंबर 1996 को रिलीज हुई थी। फिल्म में आरडी बर्मन, वनराज भाटिया और अनु मलिक का म्यूजिक है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार 6.2 करोड़ रुपए के बजट में बनी फिल्म ने भारत में 15.24 करोड़ और वर्ल्डवाइड 21.7 करोड़ रुपए का नेट कलेक्शन किया था। फिल्म में सनी ने 'काशी' की यादगार भूमिका निभाई थी और उनके अपोजिट एक्ट्रेस मीनाक्षी शेषाद्रि थीं। फिल्म में अमरीश पुरी ने सनी के एक बीमार पिता का रोल किया था। इसमें डैनी डेंजोगपा ने खतरनाक विलेन 'कातिया' के रूप में दशहत मचाई थी।

घातक की सफलता में सबसे बड़ा हाथ सनी देओल और डैनी के मध्य संवादों के जरिये दर्शायी गई तीखी नोंक झोक रही थी। इन दोनों के संवादों ने दर्शकों को सिनेमाघरों में तालियाँ बजाने को मजबूर कर दिया था।

आगामी शुक्रवार को री रिलीज होने वाली इस फिल्म के संवादों से एक बार फिर सिनेमाघरों में तालियों की गड़गड़ाहट सुनाई देगी ऐसी उम्मीद है। राजकुमार संतोषी द्वारा निर्देशित घातक में मीनाक्षी शेषाद्रि, अमरीश पुरी और डैनी डेन्जोंगपा ने मुख्य भूमिकाएँ निभाई थीं। फिल्म एक ऐसे युवक की कहानी बताती है जो अपने बीमार पिता के इलाज की उम्मीद में बनारस से मुंबई आता है। वह अपने चाचा के साथ रहता है और एक महिला से प्यार करने लगता है। हालाँकि, जिस कॉलोनी में वह रहता है, उस पर एक क्रूर गैंगस्टर का कब्ज़ा है, जिससे अच्छाई और बुराई के बीच लड़ाई होती है। इस फिल्म को ममता कुलकर्णी पर फिल्माए गए लोकप्रिय गाने कोई जाए तो ले आए के लिए भी याद किया जाता है।

घातक के दोबारा रिलीज़ होने के बाद, सनी देओल अपने अगले बड़े प्रोजेक्ट जाट पर ध्यान केंद्रित करेंगे। यह फिल्म 10 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने वाली है और इसने अपने प्रशंसकों के बीच पहले से ही काफी उत्साह पैदा कर दिया है। क्लासिक बॉलीवुड फिल्मों के लिए दर्शकों के नए उत्साह के साथ, घातक की फिर से रिलीज़ होने से फिल्म प्रेमियों के लिए एक पुरानी यादों को ताज़ा करने वाली उम्मीद है, जिससे उन्हें एक बार फिर बड़े पर्दे पर एक्शन से भरपूर ड्रामा को फिर से जीने का मौका मिलेगा।

वेब सीरीज 'पान पर्दा जर्दा' की शूटिंग हुई पूरी

मुंबई/एजेन्सी

जियो स्टूडियोज़ ने, रिलायंस एंटरटेनमेंट और ड्रीमर्स एंड डूअर्स कंपनी के सहयोग से गैंगस्टर ड्रामा पान पर्दा जर्दा की शूटिंग सफलतापूर्वक पूरी कर ली है। मोना सिंह, तन्वी आज़मी, तान्या मानिकतला, प्रियांशु पेनयुली, सुशांत सिंह, राजेश तैलंग और मनु ऋषि सहित कई दमदार कलाकारों से सजी यह सीरीज मध्य भारत की अवैध अफीम तस्करी की पृष्ठभूमि पर आधारित एक ऐसी सम्मोहक कहानी जहां परिवार और प्रियजनों के बीच युद्ध की रेखाएं खींची जाती हैं और निष्ठाएं बदल जाती हैं, यह श्रृंखला, एक्शन, ड्रामा और साज़िश की एक रोमांचक कहानी बुनती है। ज्योति देशपांडे और नमित शर्मा निर्मित, मनोरंजक पटकथा, शानदार टीम और भव्य पैमाने के साथ पान पर्दा ज़र्दा डिजिटल मनोरंजन के क्षेत्र में एक गेम-चेंजर बनने के लिए तैयार है। जियो स्टूडियोज और रिलायंस एंटरटेनमेंट जल्द ही इस सिनेमाई अनुभव को दुनिया भर के दर्शकों के लिए लेकर आएंगे।

कन्नप्पा की रिलीज से पहले, विष्णु मांचू ने भगवान शिव मंदिर में आशीर्वाद लिया

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय सिनेमा के जाने माने अभिनेता-फिल्मकार विष्णु मांचू ने अपनी आने वाली फिल्म कन्नप्पा की रिलीज से पहले भगवान शिव मंदिर में आशीर्वाद लिया। विष्णु मांचू ने हाल ही में अन्नामय्या जिले के उटुकुरु, राजमपेट मंडल का दौरा किया।चूंकि विष्णु परम शिव भक्त कन्नप्पा का किरदार निभा रहे हैं, इसलिए उन्हें इस पवित्र स्थल का दौरा किया।उन्होंने फिल्म की सफलता के लिए ईश्वरीय आशीर्वाद मांगते हुए प्रार्थना में अपना सिर झुकाया। ग्रामीणों और मंदिर कर्मचारियों ने विष्णु मांचू और कन्नप्पा टीम का बहुत उत्साह के साथ स्वागत किया। अपनी यात्रा के दौरान, विष्णु ने न केवल प्रार्थना की, बल्कि सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने की अपनी निरंतर प्रतिबद्धता के हिस्से के रूप में मंदिर के विकास का समर्थन करने का भी संकल्प लिया। अपने अनुभव को साझा करते हुए, विष्णु ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें लिखा था,महान कन्नप्पा के पवित्र जन्मस्थान का दौरा किया, हमारी फिल्म कन्नप्पा के पूरे कलाकारों और क्रू के लिए उनका आशीर्वाद मांगा। उनकी अटूट भक्ति और भावना हमें इस अविश्वसनीय यात्रा पर मार्गदर्शन करे।कन्नप्पा हरहरमहादेवॐ* फिल्म कन्नप्पा में विष्णु मांचू,प्रीति मुखुंधन मोहनलाल, अक्षय कुमार, प्रभास और काजल अग्रवाल की अहम भूमिका है। फिल्म कन्नप्पा 25 अप्रैल, को दुनिया भर में रिलीज़ के लिए तैयार है।

निर्मित कौर ने अपनी पहली फिल्म 'शौंकी सरदार' के लिए सीखी घुड़सवारी

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री निर्मित कौर अहलूवालिया ने अपनी पहली फिल्म शौंकी सरदार के लिए घुड़सवारी सीखी है। निर्मित कौर अहलूवालिया इन दिनों पंजाब में अपनी पहली फिल्म शौंकी सरदार की शूटिंग कर रही हैं।पिछले साल रियालिटी शो खतरों के खिलाड़ी में अपनी बहादुरी दिखाने वाली निर्मित अब इस फिल्म की तैयारी में जुटी हैं। हाल ही में उन्होंने घुड़सवारी के अपने कौशल को फिर से निखारना शुरू किया है, जो फिल्म के एक खास सीन के लिए जरूरी है। निर्मित को हमेशा से घोड़ों से खास लगाव रहा है, और कुछ साल पहले उन्होंने घुड़सवारी सीखी भी थी।

अपनी इस तैयारी और घुड़सवारी के प्रति अपने प्यार के बारे में बात करते हुए निर्मित ने कहा, मुझे हमेशा से घोड़े बहुत पसंद हैं। घुड़सवारी सिर्फ एक खेल नहीं, बल्कि एक एहसास है। पंजाब में शौंकी सरदार की शूटिंग के दौरान मुझे फिर से यह सीखने का मौका मिला। काफी समय बाद घुड़सवारी कर रही हूं और इस कला को फिर से निखार रही हूं। फिल्म में मैं एक मज़बूत और जिंदादिल सरदारनी का किरदार निभा रही हूं, और यह अनुभव इसे और भी खास बना रहा है। फिल्म के एक सीन के लिए यह स्किल बेहद जरूरी है, इसलिए इसकी तैयारी कर रही हूं। फिल्म शौंकी सरदार की शूटिंग जल्द ही पूरी होने वाली है और इसे भारत भर में मई 2025 में रिलीज़ किया जाएगा।

श्रीदेवी का किरदार निभाना चाहती हैं तमन्ना भाटिया

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया स्क्रीन पर दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी की भूमिका निभाना चाहती हैं। न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि उनकी यह तमन्ना है कि वह सुपर आइकॉनिक अभिनेत्री की भूमिका को पर्दे पर उतारें। ब्लेंडर्स प्राइड फैशन टूर में लेबल ब्लोनी के लिए शोस्टॉपर बनीं तमन्ना से जब पूछा गया कि वह स्क्रीन पर किस अभिनेत्री के किरदार को निभाना चाहेंगी, तो उन्होंने आइकॉनिक एक्ट्रेस श्रीदेवी का नाम लिया। तमन्ना ने कहा, मैं श्रीदेवी का किरदार निभाना चाहूंगी। वह सुपर आइकॉनिक थीं और वह ऐसी शख्सियत हैं जिनकी मैं प्रशंसक रही हूं।

भारतीय सिनेमा की 'पहली महिला सुपरस्टार' के रूप में लोकप्रिय श्रीदेवी ने कॉमेडी से लेकर फैमिली ड्रामा तक, विभिन्न विधाओं के साथ सिनेमा के हर हिस्से को छुआ। वह भले ही आज हमारे बीच नहीं हैं, मगर वह शानदार फिल्मों के जरिए हमेशा जिंदा रहेंगी। श्रीदेवी हिंदी के साथ तेलुगू, तमिल, मलयालम और कन्नड़ भाषा की फिल्मों में काम कर चुकी हैं। उन्होंने अपने फिल्मी करियर में 'मिस्टर इंडिया', 'खुदा गवाह', 'लाडला', 'जुदाई', 'इंग्लिश विंग्लिश', 'मॉम' जैसी शानदार फिल्मों में काम किया। श्रीदेवी की आखिरी फिल्म 'मॉम' थी, जो 2017 में रिलीज हुई थी। श्रीदेवी की पहली हिंदी फिल्म सोलहवां सावन (1979) थी। इससे पहले वह फिल्म जूली में मेन लीड की बहन के रूप में दिखी थीं।

तमन्ना के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह पिछली बार नीरज पांडे के निर्देशन में बनी फिल्म 'सिकंदर का मुकद्दर' में नजर आई थीं, जिसमें उनके साथ जिमी शेरगिल, अविनाश तिवारी, राजीव मेहता और दिव्या दत्ता अहम भूमिकाओं में हैं।

तमन्ना जल्द ही अशोक तेजा के निर्देशन में तैयार फिल्म ओडेला 2 में नजर आएंगी। संपत नंदी ने फिल्म की कहानी लिखी है। फिल्म में तमन्ना, हेबाह पटेल और वशिष्ठ एन. सिम्हा के साथ नागा महेश, वामसी, गगन विहारी, सुरेंद्र रेड्डी और पूजा रेड्डी भी अहम भूमिकाओं में हैं। ओडेला तेलंगाना के ओडेला गांव में हुई वास्तविक घटनाओं पर आधारित है।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

देश और समाज का दुर्भाग्य है कि प्रतिवर्ष अपनी लाखों प्रतिभाएं मातृभूमि को छोड़कर सफलता की तलाश में विदेश जा रही हैं। इस पलायन को रोकना सरकारों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। अगर यूं ही प्रतिभाओं का पलायन होता रहा तो हम पिछड़ जाएंगे। अपने देश में ऐसी व्यवस्थाएं सुदृढ़ करने की आवश्यकता है कि प्रतिभाओं का लाभ भारत को ही मिले। इसके लिए एक सामूहिक राजनीतिक जागरण की जरूरत है। देश का युवावर्ग निष्ठापूर्वक यह क्रांति कर सकता है।

अग्रवाल बंधुओं का होली मिलन समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। रविवार को अग्रवाल विद्यालय एंड जूनियर कॉलेज के प्रांगण में श्री अग्रवाल समाज (मद्रास) एवं श्री अग्रवाल सभा के संयुक्त तत्वावधान में प्रेम और एकता का पवित्र पर्व रंगों का त्योहार होली मिलन समारोह बड़े हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया।

जयगोविंद हरिगोपाल अग्रवाल अग्रसेन कालेज के उपाध्यक्ष एवं मेसर्स मेरिडियन ग्लोबल वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड के अध्यक्ष और लोकप्रिय लेडीज़ फ़ैशन ब्रांड गो कलर्स के सह-संस्थापक विनोद सरावगी ने मुख्य अतिथि पद एवं ऑर्बिट वायर्स इंडिया लिमिटेड के मुख्य प्रबंध निदेशक तथा इलेक्ट्रिकल ट्रेड उद्योग के दूरदर्शी नेता अमित अग्रवाल ने विशिष्ट अतिथि पद की शोभा बढ़ाई।

अग्रवाल समाज (मद्रास) के अध्यक्ष मुरारीलाल सौंथलिया जी एवं अग्रवाल सभा के अध्यक्ष विजय गोयल ने होली पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि तथा विशिष्ट अतिथि का परिचय समाज सदस्य आशीष गुप्त एवं शारदा अग्रवाल ने दिया। समाज और सभा के पदाधिकारियों ने विशिष्ट अतिथि और मुख्यअतिथि का सम्मान किया।

मुख्य अतिथि विनोद सरावगी ने बुराई पर अच्छाई की जीत, प्रेम, एकता और आपसी सौहार्द को बढ़ावा देने एवं पुराने मतभेदों को भुलाकर नए सिरे से शुरुआत करने का प्रतीक रंगों के त्योहार होली की सभी को बधाई दी एवं शुभकामना करते हुए अपने विचार व्यक्त किया। विशिष्ट अतिथि अमित अग्रवाल ने भी सभी को इस पवित्र पर्व होली की बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

इस समारोह में विभिन्न प्रकार के इवेंट का भी आयोजन किया गया था जैसे- वॉलीबॉल मैच प्रतियोगिता, लकी ड्रा एवं फूलों की होली आदि। प्रेम के प्रतीक राधा कृष्ण के साथ सभी ने मिलकर पूरे जोश, उमंग एवं उत्साह के साथ फूलों की होली का आनंद लिया। मैच के विजेयताओं को पुरस्कृत कर उनका उत्साह बढ़ाया गया। संचालन तमिलनाडु अग्रवाल समाज की कार्यकारी सदस्य एवं सांस्कृतिक सदस्य शालिनी अग्रवाल ने किया। समाज महासचिव हरीश कुमार लोहिया ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

फुलवारी क्लब में हाल ही में अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर अपने आखिरी कार्यक्रम में मुक्ति फाउन्डेशन की संस्थापिका मीना दादा को सम्मानित किया। मेट्रो आरवाईए हॉल वी नगर में फुलवारी की सदस्यों ने उनकी विदाई समारोह बहुत ही अनोखे ढंग से राजस्थानी संस्कृतिक के साथ की। कुमकुम से छापा, ढोल, राजस्थानी गायक रेखा मार्लेचा, प्रिया अबानी, ज्योतिषी संजना जैन और घुमर नृत्य के साथ सारा प्रोग्राम संपन्न हुआ। फुलवारी क्लब के अध्यक्ष मनीषा चौरडिया और पवन मूथा ने पूरा कार्यक्रम धूमधाम से आयोजित किया।

मदुरै गुर्जर समाज की बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय, नई कार्यकारिणी का हुआ गठन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। स्थानीय गुर्जर समाज द्वारा एक महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें समाज की विकास योजनाओं, धार्मिक आयोजनों और संगठनात्मक सुदृढ़ीकरण पर व्यापक चर्चा की गई।

प्रवक्ता दिनेश सालेचा ने बताया कि बैठक में समाज के वित्तीय एवं सांस्कृतिक उत्थान को लेकर समीक्षा की गई और सर्वसम्मति से भगवान देवनारायण की छठ महोत्सव को माघ मास की छठ-सातम को भव्य रूप में आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

इस बैठक का सबसे महत्वपूर्ण निर्णय समाज की 11 सदस्यीय कार्यकारिणी का गठन रहा, जिसमें समाज के प्रबुद्ध, अनुभवी एवं कर्मठ सदस्यों को जिम्मेदारी सौंपी गई।

अध्यक्ष के रूप में मोहनलाल चौपड़ा, कोषाध्यक्ष धनाराम बागडी को बनाया गया। वहीं कार्यकारिणी सदस्य के रूप में प्रतापराम चान्दिला, नेमाराम डोई, चैनाराम चौपड़ा, रामजीवन चाड़, टिकम चान्दिला, सोहन नेकाडी, राजुराम भगडवाल, रतनलाल चौपड़ा, श्रवण लितरियां को लिया गया है। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि कार्यकारिणी द्वारा लिए गए निर्णय समाज के सभी सदस्यों के लिए अनुकरणीय एवं बाध्यकारी होंगे। साथ ही, समाज के उत्थान व संगठन की मजबूती के लिए दिए गए हर सकारात्मक सुझाव को गंभीरता से सुना और उस पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

गुर्जर समाज की यह पहल समाज को संगठित, सशक्त और गौरवशाली बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी।

खिताब

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

छीपा समाज चेन्नई के युवाओं द्वारा छीपा समाज प्रीमियर लीग-4 बॉक्स क्रिकेट का आयोजन स्कोर ऑन में किया गया। इसमें पांच टीमों ने भाग लिया। गोपाल छीपा मंडवारिया ने बताया कि टूर्नामेंट की शुरुआत में प्रायोजकों ने टॉस में सिक्का उछालकर किया। दिन भर चले मैचों में फाइनल का मुकाबल चेन्नई निंजा और सुपर आठ के बीच हुआ। बहुत ही रोमांचकारी मैच रहा जो टाई हुआ। उसके बाद एक सुपर ओवर डाला गया वह भी टाई रहा। दूसरे सुपर ओवर पर चेन्नई निंजा विजेता घोषित हुआ। सभी प्रायोजकों का सम्मान किया गया।

खिताब

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर में राजस्थानी संघ द्वारा संचालित राजस्थानी प्रीमियर लीग-4 के सियाल डेवलपर्स कप में अरिहंत आईकान्स ने जीता खिताब वहीं तपारिया स्मेशर्स रनर्सअप ट्रॉफी विजेता रहे। बेस्ट बैट्समैन चेतन बोहरा, मैन ऑफ सीरीज जश कांकरिया, बेस्ट गेंदबाज निलेश गोलेछा को घोषित किया गया। मुख्यअतिथि कोयम्बटूर के सहायक कलेक्टर अंकित जैन ने सभी को पुरस्कृत किया।

श्री जैन महासंघ चेन्नई की वार्षिक साधारण सभा सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री जैन महासंघ चेन्नई की वार्षिक साधारण सभा पुरुषवाक्कम के एएमकेएम सेन्टर में हुई। सभा में लगभग 150 सदस्यों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। शुरुआत नवकार मंत्र प्रार्थना से हुई। महासंघ के अध्यक्ष प्यारेलाल पितलीया की अध्यक्षता में उपस्थित सभी का स्वागत किया गया। महामंत्री गौतमचन्द कांकरीया ने वार्षिक रिपोर्ट पेश की साथ ही सभा का संचालन किया एवं श्री जैन महासंघ ट्रस्ट बनाने का निर्णय कई गणमान्यजनों की उपस्थिति में लिया गया एवं जिन सदस्यों ने सदस्यता में नाम लिखवाये उनके नाम पढ़ें गये। श्रमण भगवान महावीर स्वामीजी का 2624वां जन्म कल्याणक महोत्सव चैत्र सुदी 13, 10 अप्रैल को भव्य रुप से मनाने हेतु संयोजक पन्नालाल सिंघवी ने रुप रेखा सभा के समक्ष रखी। इन्होंने बताया कि पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी शोभायात्रा नार्थ टाउन बिन्नी, पेरम्बूर से रवाना होकर विभिन्न राजमार्गों से गुजरती हुई जैन दादावाड़ी, कुन्नूर हाई रोड, अयनावरम् पहुंचेगी। रथयात्रा में इन्द्र ध्वज, शांति धारा देते हुए बैल रथ गाडी, घोड़े, विभिन्न झांकी, विभिन्न संगीत मंडलों द्वारा सुन्दर भक्ति, विभिन्न बैंड बाजों की मंडलियों द्वारा स्वर लहरियां बिखेरतीं हुई, श्रमण-श्रमणी भगवंतों की निश्रा में श्रावक-श्राविकाओं के संग, नवकारसी के लाभार्थी परिवार, शोभायात्रा के लाभार्थी परिवार एवं मुमुक्षुओं के संग जैन दादावाड़ी पहुंचकर धर्मसभा में परिवर्तित होगी। श्री सुमतिनाथ मंदिर एवं गुरु मंदिर में नयनरम्य आंगी एवं पूजा पढ़ाई जाएगी। धर्मसभा में आतिथ्य हेतु कुलदीप जैन (एयर विंग कमांडर), विधायक लादूलाल पितलीया जैन, विधायक दिप्ती किरण माहेश्वरी, अरुणजी बोथरा आदि गणमान्य अतिथिगण अनुकूलता अनुसार उपस्थित होंगे।

जैन दादाबाड़ी परिसर में साधर्मिक भक्ति स्वरूप सेवाएं देने हेतु विभिन्न संगठनों द्वारा काउंटर, मेघा मेडिकल केम्प (जिसमें हर तरह की चेकिंग- सुविधा युक्त), धार्मिक संस्थाओं के प्रचार-प्रसार काउंटर एवं महिला सशक्तिकरण हेतु गृह उधोग मेला के काउंटर की स्वीकृति दी जाएगी।

संध्या के समय भक्ति बम्बई के मशहूर कलाकारों द्वारा प्रस्तुत की जाएगी एवं उसमें विभिन्न मंडलों को श्रेष्ठ सेवाएं देने के लिए पुरुष्कृत भी किया जाएगा। एवं लाभार्थी परिवारों का सम्मान सम्मान किया जाएगा। कोषाध्यक्ष कैलाश कोठरी ने उपस्थित समस्त गणमान्यजन एवं सदस्यों को धन्यवाद देकर सभा की कार्यवाही पूर्ण की।

'अभिव्यक्ति' संस्था का महिला दिवस और होली मिलन

'बढ़ते तलाक, बिखरते परिवार-कैसे हो इसका परिष्कार' परवक्तृत्वकला प्रतियोगिता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सेलम। यहां मंगलवार को सहादेवापुरम स्थित रोटरी क्लब हॉल में हिंदीभाषी महिलाओं की सशक्त संस्था अभिव्यक्ति द्वारा अंतराष्ट्रीय महिला दिवस और होली मिलन समारोह का आयोजन संयुक्त रूप से किया गया। प्रोजेक्ट हेड शर्मिला आंचलिया ने मुख्य अतिथि समेत सभी सदस्यों का हार्दिक स्वागत किया। अभिव्यक्ति की संस्थापक सदस्य कंचन सेठिया ने दीप प्रज्ज्वलन पश्चात अपने प्रेरक भाषण से कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ किया। आज के आयोजन में सबसे पहले एक वक्तृत्वकला प्रतियोगिता रखी गयी जिसका विषय था 'बढ़ते तलाक, बिखरते परिवार - कैसे हो इसका परिष्कार।' बारह महिला प्रतिभागियों ने तीन निर्णायक नीलम सेठिया, राजेश गुप्ता और कवि नितेश 'संतुलन' समेत सदन में उपस्थित सभी सदस्यों के समक्ष अपने विचारों को खूबसूरती से व्यक्त किया। वर्तमान परिवेश में तलाक जैसे ज्वलंत मुद्दे पर आधारित, डॉ प्रियंका जैन के पटकथा लेखन पर संगीता फुलफगर, कविता गुप्ता, रेणुका सिंघानिया, कल्पना सेठिया और उमा पोद्दार ने लघु नाटक का मंचन कर सहिष्णुता विकास का संदेश दिया। आयोजन में होली का तड़का लगाते हुए विख्यात संगीतप्रेमी जोड़ी अंजु मालपानी एवं ममता दमानी ने कार्यक्रम में राजस्थानी भाषा में धमाकेदार प्रस्तुति से खूब वाहवाही लूटी। नृत्यकला में दक्ष उमा प्रजापति और पायल जैन के साथ नन्हे प्रियांश जैन ने अद्भुत अंदाज़ में नाचकर सभी दर्शकों का मन मोह लिया। अपने वक्तव्य में नितेश जैन ने कहा कि बदलते युग में तलाक को सिर्फ एक कुरीति की नजर से नहीं देखना होगा। समर्पित प्रयास के बावजूद अगर कोई युगल अपने दांपत्य जीवन में विचारों के मतभेद के कारण सुख की अनुभूति नहीं करता है तो उन्हें बजाय घुट घुट कर मरने के, तलाक को एक कानूनी व्यवस्था मानते हुए राजी-खुशी अलग हो कर अपने भावी जीवन को सफल बनाने का प्रयास करना चाहिए। अभिभावकों को भी अपने बच्चों की खासकर बेटियों की शादियों में बेहिसाब खर्च से परहेज़ कर वह पैसा उनके सुरक्षित भविष्य के लिए निवेश करना चाहिए।

कंचन सेठिया ने जानकारी देते हुए बताया कि अभिव्यक्ति संस्था का शीघ्र सरकारी पंजीकरण किया जायेगा ताकि इसका विकास और बेहतर हो सके। प्रोजेक्ट की ही प्रभारी यशोदा खटोर ने कार्यक्रम का संचालन किया।

समाजसेवी तेजराज शर्मा परिवार का मुरडावा ग्राम में हुआ सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। समाजसेवी व शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज कर्नाटक के वरिष्ठ सदस्य तेजराज शर्मा का पाली जिले के सोजत उपखंड के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मुरडावा में आयोजित भामाशाह सम्मान समारोह में सम्मान किया गया। इस मौके पर प्रधानाचार्य डॉ. नरेंद्र वैष्णव ने भामाशाह शर्मा परिवार द्वारा विद्यालय में सहयोग का विवरण देते हुए बताया कि वर्ष 1980 से गांव में विद्यालय की आवश्यकता थीं, उस आवश्यकता को शर्मा परिवार ने पूरा किया। पुराने विद्यालय भवन निर्माण एवं नवीन विद्यालय भवन निर्माण में शर्मा परिवार ने तन, मन एवं धन सहयोग दिया है। इस मौके पर शर्मा परिवार के सम्मान में विद्यालय के बच्चों द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई जिसमें बच्चों का गैर नृत्य मुख्य आकर्षक रहा। इस अवसर पर उदयनारायण शर्मा, रमेश शर्मा, तेजराज शर्मा, इंद्राबाई शर्मा, कमला शर्मा आदि का सम्मान किया गया।

शालिनी ग्राउंड पर तीन दिवसीय नि:शुल्क योग शिविर 21 से

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के जयनगर स्थित शालिनी ग्राउंड पर 21 मार्च से तीन दिवसीय नि:शुल्क योग शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर में मुंगेर के गंगादर्शन विश्व योगपीठ के पद्मभूषण स्वामीश्री निरंजनआनंद सरस्वती योग का प्रशिक्षण देंगे। यह शिविर सुबह 6.30 बजे व शाम 5.30 बजे से दो सत्र में होगा। इस निशुल्क योग शिविर की अधिक जानकारी के लिए मोबाइल क्रमांक 9611585054 पर किया जा सकता है।

इन्द्रियों को वश में रखना बहुत ज़रूरी: विनयमुनि खींचन

बेंगलूरु। शहर के कत्रिगुप्पे में विराजित विनयमुनिजी खींचन ने प्रवचन में कहा कि मनुष्य को इन्द्रिय और मन की महान शक्ति मिली है। इन्द्रियों को वश में करने से मनोबल और आत्मबल की उच्च श्रेणी की मानसिकता चाहिए। शरीर को साधन मानकर ही आराधना की जाती है। यदि शरीर को कोमलता-सुकुमारता से जीवन रखा तो भी खतरा है। सुकुमारता त्यागे बिना संयमचर्या पालन असंभव है। सरलता में ही गलती स्वीकार करना बहुत बड़ा 'आभ्यन्तर तप' है।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मदुरै में श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के तत्वावधान में सेलम शहर में विराजित श्री नरेशमुनिजी म. सा. एवं श्री शालिभद्र मुनिजी म. सा. के पावन दर्शनार्थ आयोजित गुरुदर्शन वंदन यात्रा के समापन पर श्रीश्रीमाल परिवार का सम्मान किया गया। संघ के मीडिया प्रभारी दिनेश सालेचा ने बताया कि इस यात्रा में लाभार्थी विजराज, दिनेशकुमार एवं आशीषकुमार श्रीश्रीमाल मदुरै-धुंधाड़ा निवासी परिवार ने 50 श्रद्धालुओं के साथ गुरुदर्शन वंदन का पुण्य अर्जित किया। इस पावन यात्रा की अनुमोदना स्वरूप श्रावक संघ द्वारा लाभार्थी परिवार का तिलक, माला, साफा, चुनड़ी एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया।

'औरंगजेब की कब्र का महिमामंडन करना देश के खिलाफ' : अश्वत्थ नारायण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के पूर्व उपमुख्यमंत्री और भाजपा विधायक डॉ. सीएन अश्वथ नारायण ने कांग्रेस और प्रियांक खरगे पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि औरंगजेब एक आक्रमणकारी था, जिसने हमारी संस्कृति, धर्म और विश्वास को नष्ट किया। ऐसे व्यक्ति की कब्र का महिमामंडन करना देश के हित के खिलाफ है। डॉ. अश्वथ नारायण ने कहा कि देश में औरंगजेब के प्रति कोई सद्भावना नहीं है। उन्होंने कहा कि हम औरंगजेब द्वारा किए गए अत्याचारों को नहीं भूल सकते। आज भी लोग उसकी नीतियों और कृत्यों के खिलाफ गुस्सा जता रहे हैं। कांग्रेस इस पर क्यों नहीं बोलती? प्रियांक खरगे क्यों नहीं बताते कि हम एक आक्रमणकारी को क्यों महिमामंडित करें? आप हमसे यह उम्मीद करते हैं कि हम उसके अत्याचारों को सही ठहराएं? उन्होंने कहा कि प्रियांक खरगे जैसे नेता ही देश की समस्याओं का कारण हैं। कांग्रेस सिर्फ सत्ता में बने रहने के लिए जनता के हितों की अनदेखी कर रही है। बांग्लादेशी घुसपैठ के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि यह एक गंभीर समस्या है और इसे रोकना जरूरी है। भाजपा नेता ने कहा, बांग्लादेशी घुसपैठ निश्चित रूप से हो रही है।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.

Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.